दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 94 | ग्वालियर, सोमवार 24 मई 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

ताउते के बाद यास के कल तक

चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका, मचा सकता है तबाही

दिल्ली। चक्रवाती तूफान तौकते के बाद अब देश के पूर्वी तटीय क्षेत्रों में साइक्लोन यास का खतरा मंडरा रहा है. बंगाल की खाड़ी में उठने वाला चक्रवाती तूफान यास ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटीय इलाकों में दस्तक दे रहा है. भारत मौसम विज्ञान विभाग ने बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर बनने और 24 मई तक इसके साइक्लोन में तब्दील होने का अनुमान जताया था. मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक साइक्लोन में तबदील होकर ये उत्तर पश्चिम दिशा की ओर बढ़ सकता है. मौसम विभाग ने आज बताया कि पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के कम दबाव वाले क्षेत्र अब हवा के दबाव का केंद्र बन गया है. यह बालासोर और दीघा से लगभग 700 किमी दूर स्थित है. भारत मौसम विज्ञान विभाग के ष्ठलरू मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि इसके उत्तर और उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने के संभावना है. 24 मई की सुबह तक यह दवाब एक चक्रवाती तूफान में बदल कर तेज होने की उम्मीद है. चक्रवाती तूफान यास 26 मई की

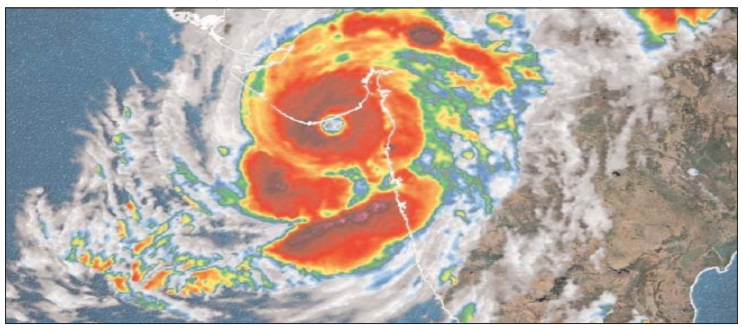

शाम को पश्चिम बंगाल-ओडिशा के तटों तक पहुंच सकता है. चक्रवाती तूफान यास के खतरे को देखते हुए ओडिशा सरकार ने तटीय जिलों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है. साथ ही इससे निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा में टीमों की तैनाती शुरू कर दी है. जिसके आगामी दो दिन में धीरे-धीरे चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है. तटीय इलाकों में एनडीआरएफ ने टीमें तैनात चक्रवाती तूफान यास से निपटने के लिए एनडीआरएफ ने कमर कस ली है. एनडीआरएफ महानिदेशक एसएन प्रधान के मुताबिक पश्चिम बंगाल और ओडिशा में संभावित खतरे वाले क्षेत्रों में टीमें तैनात करना शुरू कर दिया गया है. तूफान यास 26 मई को तट से टकरा सकता है. केंद्र सरकार ने आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और अंडमान निकोबार द्वीप समूह को ये सुनिश्चित करने को कहा है कि स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाओं तथा संसाधनों का स्टॉक रखा जाए. जिससे यास तूफान के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके और धन जन हानि नहीं हो.

कोरोनाः बुनेई और सिंगापुर से ऑक्सीजन लेकर विशाखापत्तनम पहुंचा आईएनएस जलाश्व

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस की दूसरी लहर के कारण मचे हाहाकार के बीच देशभर के अस्पतालों में ऑक्सीजन की भारी किल्लत देखने को मिली थी. ऑक्सीजन की इस कमी को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी. मोदी सरकार ने इसके लिए युद्धस्तर पर काम किया और विदेशों से भी मेडिकल ऑक्सीजन मंगाने का फैसला लिया है. इसके तहत कई देशों से ऑक्सीजन और अन्य जरूरी दवाइयों को मंगाया गया है. इस काम में वायुसेना के साथ नौसेना को भी लगाया गया था. नौसेना ने इसे ऑपरेशन सेतु समुद्रम-2 नाम दिया है. ऑपरेशन सेतु समुद्रम के तहत विदेश से ऑक्सीजन लेकर नौसेना के युद्धपोत भारत पहुंचने लगे हैं. नौसेना का युद्धपोत आईएनएस जलाश्व आज ब्रुनेई और सिंगापुर से ऑक्सीजन सिलेंडर और वेंटिलेटर सहित राहत खेप के साथ विशाखापत्तनम पहुंचा. नौसेना ने इसकी जानकारी दी. इससे पहले आईएनएस तलवार युद्धपोत बहरीन से दो टैंकर्स में 27 मैट्रिक-टन लिक्विड ऑक्सीजन लेकर कर्नाटक के मंगलौर बंदरगाह पहुंचा था. आईएनएस कोलकता जहाज और आईएनएस ऐरावत को भी इसी काम में लगाया गया था. नौसेना प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने इस ऑपरेशन के शुरू होने पर मीडिया को बताया था कि 9 युद्धपोत मुंबई, विशाखापत्तनम और कोच्चि में तीनों नेवी कमांड से भेजे गए हैं। 'ऑपरेशन सेतु समुद्रम-2' के तहत इन 9 युद्धपोत को भेजना भारत सरकार व भारतीय नौसेना के उन विभिन्न प्रयासों का हिस्सा है, जो देश में ऑक्सीजन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए किए जा रहे हैं. कुवैत से आईएनएस कोलकाता 27 टन ऑक्सीजन से भरे दो टैंक, 400 ऑक्सीजन सिलिंडर और 47 ऑक्सीजन कंसनट्रेटर लेकर आया था. चार अन्य युद्धपोत कतर और कुवैत से ऑक्सीजन और वेंटिलेटर लेकर भारत आए थे. इन चारों युद्धपोत अपने साथ 27 टन ऑक्सीजन से भरे 9 टैंक और 1500 से ज्यादा ऑक्सीजन सिलिंडर लेकर आए थे. जिससे देश पर आए सांसों के संकट को दूर हुआ था. नौसेना के अलावा वायुसेना ने भी सांसों के इस संकट को दूर करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी. वायुसेना ने ना सिर्फ विदेशों से मेडिकल ऑक्सीजन को देश में पहुंचाया. बल्कि देश के दूर दराज क्षेत्रों में उसको समय से पहुंचाया भी. रक्षा मंत्रालय ने एक ट्वीट करके बताया था कि %29 अप्रैल 2021 तक भारतीय वायुसेना ने विदेशों से 23 सॉर्टीज की हैं, जिसमें 670 मीट्रिक टन क्षमता के साथ 39 ऑक्सीजन कंटेनरों को एयरलिफ्ट किया गया, जबकि देश के भीतर 124 सॉर्टीज हुई हैं. उसमें 87 कंटेनरों को एयरलिफ्ट किया गया, जिसकी क्षमता 1798 मीट्रिक टन है.

कोरोना की हार, लॉकडाउन हथियार : किस राज्य में अब तक है तालाबंदी

नई दिल्ली। मई की शुरूआत में देश में कोरोना के एक दिन में रिकॉर्ड 4 लाख से भी ज्यादा मामले आने बाद अब इस महीने के अंत में संक्रमण के केस कम होने लगे हैं, जो घटकर ढाई लाख से भी नीचे आ गए हैं. देशभर में राज्य सरकारों द्वारा सख्त कदम उठाने और लॉकडाउन लगाए जाने के बाद संक्रमण की रफ्तार थमी है. हालांकि संक्रमितों के मरने वालों की संख्या में विशेष कमी नहीं आई है. लिहाजा अभी भी राज्य सरकारों ने तालाबंदी को जारी रखने का फैसला लिया है. लगभग सभी सरकारों ने अपने अपने राज्यों में कोरोना आगे कर्फ्यू बढ़ा दिया है. आइए आपको बताते हैं कि किस राज्य में अब तक पाबंदी बढ़ाई गई है. उत्तर प्रदेश में 31 मई तक कोरोना कर्फ्यूयोगी सरकार अभी तीसरी लहर की तैयारी कर रही है. साथ ही ब्लैक फंगस की चुनौती से लड़ना है. इसे देखते हुए योगी सरकार ने आंशिक कोरोना कर्फ्यू को 31 मई सुबह सात बजे तक बढ़ाने का निर्देश दिया है. इस दौरान आवश्यक वस्तु, चिकित्सा, औद्योगिक गतिविधियां आदि चलती रहेंगी. मप्र के कई जिलों में बढ़ा कर्फ्यू-मध्य प्रदेश के कई जिलों में 31 मई तक कोरोना कर्फ्यू बढ़ा दिया है. भोपाल जिला कलेक्टर ने शनिवार को आदेश जारी करते हुए भोपाल नगर निगम और बैरसिया नगर पालिका क्षेत्र में 24 जून की सुबह छह बजे तक लागू कोरोना कर्फ्यू को एक जून की सुबह छह बजे तक बढ़ा दिया है. इंदौर में 31 मई तक कोरोना कर्फ्यू लागू है, जिसमें किराना, फल-सब्जी मंडी को भी बंद किया गया है. पेट्रोल पंप, दवा दुकानें और दूध सप्लाई जारी है. वहीं, इंदौर में एक जून से लॉकडाउन खोलने की तैयारी है.

देशभर में रेलवे ने अब तक 15,284 मीट्रिक टन तरल चिकित्सा ऑक्सीजन पहुंचाई

नयी दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर ने देश में आफत मचा दी है. ऐसे में पूरा देश दूसरी लहर में त्राहिमाम हो चुका है, ऐसी स्थिति में भारतीय रेलवे देश के लिए संकटमोचक बनकर उभरी है जो ऑक्सीजन रूपी संजीवनी लेकर देश के कई राज्यों के मरीजों की मदद कर चुकी है. भारतीय रेलवे ने अब तक कई राज्यों को 9 सौ 36 टैंकरों के जरिये 15 हजार दो सौ 84 मीट्रिक टन तरल चिकित्सा ऑक्सीजन पहुंचाई है. रेल मंत्रालय ने बताया कि अब तक 234 ऑक्सीजन एक्सप्रेस अपनी यात्रा पूरी कर चुकी है और कई राज्यों को राहत पहुंचाई है.

कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, तेलंगाना, पंजाब, केरल, दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित 14 राज्यों को ऑक्सीजन एक्सप्रेस से ऑक्सीजन पहुंचाई गई. असम में आज अस्सी मीट्रिक तरल चिकित्सा ऑक्सीजन लेकर पहली ऑक्सीजन एक्सप्रेस पहुंची. ऑक्सीजन एक्सप्रेस रोजाना आठ सौ मीट्रिक टन से अधिक तरल चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति कर रही है. ऐसे में दक्षिण रेलवे ने देश में दूसरी लहर शुरू होने के बाद से 16 ऑक्सीजन

एक्सप्रेस ट्रेनों के जरिए केरल और तमिलनाडु को 1,000 मीट्रिक टन से अधिक तरल चिकित्सा ऑक्सीजन की आपूर्ति की है. रेलवे ने अब तक केरल को कुल 246.56 मीट्रिक टन तरल चिकित्सा ऑक्सीजन (एलएमओ) वितरित किया है और 16 मई को वल्लारपदम कंटेनर टर्मिनल, कोच्चि में कलिंगनगर, ओडिशा में टाटा स्टील साइडिंग से 6 ऑक्सीजन कंटेनर (117.9 मीट्रिक टन) ले जाने वाली अपनी पहली लोड ऑक्सीजन एक्सप्रेस प्राप्त की है. केरल के लिए दूसरी ऑक्सीजन एक्सप्रेस राउरकेला से 7 कंटेनरों में 128.66 मीट्रिक टन लेकर 22 मई, 2021 को 01.35 बजे वल्लारपदम कंटेनर टर्मिनल, कोच्चि पहुंची. तमिलनाडु को अब तक 14 मई से 21 मई, 2021 तक 13 ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों के माध्यम से कुल 770.16 मीट्रिक टन एलएमओ प्राप्त हुआ है. राउरकेला से 3 लोडेड टैंकर (19.54 एमटी) के साथ सोलहवीं लोडेड ऑक्सीजन एक्सप्रेस शनिवार को कोयंबटूर के पास मदुरै पहुंची. राउरकेला से 4 कंटेनरों में 84.1 मीट्रिक टन के साथ भेजी गई 17वीं लोडेड ऑक्सीजन एक्सप्रेस के रविवार को टोंडियारपेट पहुंचने की उम्मीद है.

कोरोना संकट के बीच करनाल से

सैकड़ों किसान टिकरी बॉर्डर रवाना, प्रदर्शन में होंगे शामिल

चंडीगढ़। देश में कोरोना की दूसरी लहर अभी थमा नहीं है और किसान फिर से दिल्ली बॉर्डर पर प्रदर्शन के लिए इकट्ठा होना शुरू हो गए हैं. कोरोना वायरस को लेकर सरकारें सख्त रवैया अपना रही हैं. इसी बीच खबर आ रही है कि राजधानी दिल्ली की टिकरी सीमा पर जारी किसान आंदोलन में शामिल होने के लिए करनाल से हजारों किसान एक साथ निकल रहे हैं. बताया जा रहा है कि ये सभी किसान भारतीय किसान यूनियन (उग्रहण) के सदस्य हैं और पिछले साल से चल रहे किसान आंदोलन में शामिल होने आ रहे हैं.

भारतीय किसान यूनियन के नेता गुरनाम सिंह ने बताया कि हम करनाल से हजारों वाहनों के साथ दिल्ली के टिकरी बॉर्डर पर प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे हैं. उन्होंने आगे बताया कि हर हफ्ते 1-1 जिले के लोगों को इकट्ठा करेंगे और प्रदर्शन स्थल पर लेकर जायेंगे. यूनियन नेताओं ने कहा कि 1650 गांवों से 20 हजार से ज्यादा लोग को दिल्ली पहुँचाया जायेगा. ऐसे में किसानों का फिर से टिकरी बॉर्डर पर इकट्ठा होना इस महामारी को न्योता देना जैसा है. खबर है कि बठिंडा-डबवाली,

खनौरी-जींद और सारदुलगढ़-फतेहाबाद सीमाओं से बस, वैन और ट्रैक्टरों के जरिए किसानों को टिकरी बॉर्डर पहुँचाया जायेगा. बता दें कि टिकरी बॉर्डर पर हर रोज सभाएं आयोजित की जा रही हैं, जिसमें सैकड़ों लोग हिस्सा रहे हैं. इस दौरान ज्यादातर लोग ना तो मास्क पहन रहे हैं और ना ही सोशल डिस्टेंसिंग नजर आ रही है. ऐसे में किसान आंदोलन के बीच कोरोना संक्रमण फैलने की संभावना बनी हुई है. किसान नेताओं का कहना है कि डरने की जरूरत नहीं है. कोरोना की वजह से आंदोलन खत्म नहीं किया जा सकता है. हालांकि उन्होंने ये जरूर कहा कि किसान आंदोलन के दौरान लोगों से मास्त पहनने और दूरी बनाए रखने की अपील की जा रही है. साथ ही किसान अपने घरों से वैक्सीन भी लगा कर आ रहे हैं. केंद्र सरकार के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान बीते साल से प्रदर्शन कर रहे हैं. दोनों पक्षों के बीच कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन अब तक किसी ठोस मुद्दे पर सहमति नहीं बन पाई है. सरकार ने किसानों को तीन कानूनों को डेढ़ साल के लिए निलंबित करने के प्रस्ताव दिया है. हालांकि, किसान इन कानूनों की वापसी की मांग पर अड़े हुए हैं.

बच्चों को कोरोना से बचाने में गेम चेंजर बनेगी भारत में बनी नेज़ल वैक्सीन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर का कहर झेल रहे भारत में बच्चों को सर्वाधिक प्रभावित करने की आशंका जताने वाली तीसरी लहर को लेकर वैज्ञानिक चेतावनी जारी कर चुके हैं. बच्चों को प्रभावित करने की आशंका के बीच यह जानना कम जरूरी नहीं होगा कि दुनिया में 12 साल से कम उम्र के बच्चों को फिलहाल कोरोना की वैक्सीन नहीं लगाई जा रही है. वह भी तब जब देश में 18 साल से कम उम्र के लोगों के लिए किसी भी वैक्सीन को हरी झंडी नहीं मिली है. ऐसे में विश्व स्वास्थ्य संगठन की चीफ साइंटिस्ट सौम्या स्वामीनाथन ने कहा है कि कोराना की नेज़ल वैक्सीन बच्चों के लिए गेमचेंजर साबित हो सकती है.

कहीं ज्यादा प्रभावी है नेजल वैक्सीन-गौरतलब है कि इस तरह की वैक्सीन नाक के ज़रिये दी जाती है. माना जा रहा है कि ये इंजेक्शन वाली वैक्सीन के मुकाबले ज्यादा असरदार है. साथ ही इसे लेना भी आसान है. ऐसे में सीएनएन-न्यूज़ 18 से बातचीत में सौम्या स्वामीनाथन ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा स्कूल टीचर को वैक्सीन लगाने की जरूरत है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि बच्चों को तभी स्कूल भेजना चाहिए जब कम्युनिटी ट्रांसमिशन का खतरा कम हो. स्वामीनाथन ने आगे कहा, भारत में बनी नेज़ल वैक्सीन बच्चों के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है.

चक्रवात यास को लेकर कैबिनेट सचिव का शून्य नुकसान के लिए उपाय पर जोर

नई दिल्ली। चक्रवाती तूफान यास के 26 मई की शाम तक पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी ओडिशा के तटों तक पहुंचने की आशंका के बीच कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने इस बात पर जोर दिया है कि जान माल के नुकसान और संपत्ति के विनाश को कम करने के लिए समयबद्ध तरीके से सभी उपाय किए जाने चाहिए. गौबा ने राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) की बैठक के दौरान केंद्रीय और राज्य एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी नावों और जहाजों की वापसी सुनिश्चित करने के साथ-साथ चक्रवात से प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को जल्द से जल्द निकालने पर जोर दिया, ताकि जीवन की शून्य हानि हो.

हरियाणा में बढ़ रहे ब्लैक फंगस के केस, मरीजों की संख्या 400 के करीब

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की दूसरी लहर का कहर अब थमने लगा है. नए मामलों की संख्या लगातार घटने से देश को थोड़ा सुकून मिल रहा है. हालांकि हर रोज 4 हजार पार मौतों का आंकड़ा डरा रहा है. कोरोना मरीजों की संख्या घटकर ढाई लाख के करीब पहुंची गई है, जिससे राहत तो मिली है, मगर दूसरी ओर महामारी की चपेट में आए मरीज बड़ी संख्या में अपनी जान गवां रहे हैं. कोरोना की दूसरी लहर अभी खत्म भी नहीं हुई है कि अब देश में कोरोना की तीसरी लहर भी दस्तक देती नजर आ रही है. राजस्थान और उत्तराखंड में बच्चे कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं. कोविड वायरस के खिलाफ जंग में अब भारत के पास वैक्सीन रूपी हथियारों की भी कमी पड़ गई है.

पीएम मोदी के आंसुओं का मजाक उड़ाने पर एमएयू के वीसी फिरोज बख्त अहमद ने धो डाला विपक्ष को

हैदराबाद। वाराणसी में डॉक्टरों से साथ संवाद के दौरान कोरोना के मौतों पर बहे प्रधानमंत्री मोदी के आंसुओं का मजाक उड़ाने पर हैदराबाद की मौलाना आजाद नेशनल उर्दु यूनिवर्सिटी के चासंलर फिरोज बख्त अहमद साहेब ने कांग्रेस समेत तमाम विरोधियों को जमकर धो डाला. एमएयू (रू) के चासंलर ने पीएम मोदी को सूफियाना और फरिश्ता दिल व्यक्ति बताते हुए विपक्ष पर हमला बोला. इसके साथ ही फिरोज बख्त अहमद साहेब ने तमाम विपक्षियों को चुनौती देते हुए कहा कि मैं मोदी जी के लिए किसी के साथ भी डिबेट करने के लिए तैयार हूं.

दरअसल, हैदराबाद की मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी के चासंलर फिरोज बख्त अहमद साहेब ने

एक वीडियो जारी किया है, जिसमें वह मोदी की तारीफ तो विपक्ष को लताड़ ला रहे हैं. उन्होंने कहा कि यह वीडियो विशेषरूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उन आंसुओं को लेकर बनाया है, जो वाराणसी में डॉक्टरों से साथ संवाद के दौरान बहे थे. साथ ही साथ ये वीडियो उन बेदिल और बदिल कांग्रेसियों, वामपंथियों और विरोधियों के लिए भी है, जिन्होंने इन आंसुओं की भावुक श्रद्धांजलि को नाटक बताया. ये विपक्षियों के कुकर्म है, जिन्होंने इसकी छवि में मोदी जी को आंका. रू के चासंलर ने कहा, प्रधानमंत्री ने जब जब आंसू बहाए हैं, चाहे वह संसद में गुलाम नबी आजाद के लिए हों, या अपनी मां हीराबेन मोदी के लिए बहाए हों, लेकिन विपक्षियों ने सदा ही उन पर बड़ी भद्दी टिप्पडियां की हैं.

भोपाल होगा अनलॉक, मंत्री सारंग ने कहा

7 दिन में जड़ से खत्म करना होगा कोरोना

भोपाल। मध्य प्रदेश कि राजधानी भोपाल में अब अनलॉक कि प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. इसे लेकर भोपाल कण्ट्रोल रूम में आज महत्वपूर्ण बैठक भी हुई. बैठक में चिकित्सा शिक्षा मंत्री और भोपाल के प्रभारी विश्वास सारंग के साथ कलेक्टर से लेकर अन्य अधिकारी मौजूद रहे. बैठक में भोपाल को कैसे अनलॉक किया जाये इसे लेकर चर्चा कि गई.

अगर पॉजिटिव मरीज़ बाहर दिखे तो 1075 पर शिकायत करें

चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि अगर कोई कोरोना पॉजिटिव मरीज़ अपने घर में ही होम आइसोलेट है और वो घर से बाहर घूम रहे है तो उसकी शिकायत जनता 1075 पर कर सकती है. ऐसे मरीज़ों कि शिकायत मिलने पर कार्यवाही भी कि जाएगी . कुल मिलाकर सरकार कि जनता से अपील है कि आप पुरे अनुशासन के साथ लॉक डाउन के बाद अनलॉक का पालन करें ताकि कोरोना संक्रमण को फैलने से रोका जा सके.

विश्वास सारंग का कहना है 1 जून से हम कई तरह कि छूट देने जा रहे है. मगर जनता को अनलॉक में अनुशासन दिखाना होगा. अनलॉक से पहले मई माह के 7 दिन बेहद महत्पूर्ण है. इन सात दिनों में हमें जनता के समर्थन से कोरोना को जड़ से खत्म करना होगा. संक्रमण कि स्थिति को देखते हुए भोपाल को तीन ज़ोन में बांटा जायेगा . इसमें तीन तरह के ज़ोन यानि रेड,ऑरेंज और ग्रीन ज़ोन शामिल होंगे. जहां ज़्यादा मामले उसे रेड ज़ोन में शामिल किया जायेगा. वही जहां कोरोना के मरीज़ है उन घरों के बाहर स्टीकर लगाए जायेंगे . लोगो से अपील है कि घरों से बाहर न निकलें .

एक जून से गाइड लाइंस के मुताबिक खुल सकता है भोपाल

जिलाधिकारी अविननाश लावनिया ने बताया कि आगामी एक जून से भोपाल को सरकारी गाइडलाइंस के मुताबिक अनलॉक किया जाएगा. भोपाल में सबसे पहले केवल जरूरी और रोजमर्रा की दुकानों को सरकारी गाइडलाइंस के मुताबिक थोड़े समय के लिए खोला जाएगा. उन्होंने आगे कहा कि भोपाल को इस तरह खोला जाएगा कि कोरोना संक्रमण दोबारा ना फैले. एक जून से अनलाक होना शुरू होगा, इसका भी सिस्टम बनाएंगे, एक-एक करके जहां-जहां खोलना है उसकी भी मैं बैठक कर रहा हूं.

एक नजर...

नगर वासियों ने दूषित व बदबूदार पानी आने की शिकायत की

पुष्पांजली टुडे

मऊरानीपुर / रानीपुर- नगरवासियों ने जल संस्थान की टंकी से होने वाली जलापूर्ति में दूषित व गंदे पानी आने की शिकायत की है लोगों का कहना है कि जब भी जरा सी बारिश होती है तो उसके बाद कई दिनों तक मजबूरन नगर वासियों को गंदा, पीला और बदबूदार पानी पीने के साथ उसका इस्तेमाल करना पड़ता है। नगर वासियों का कहना है कि पिछले दिनों हुई बारिश के कारण नदी में डला हुआ नगर का नाला उफान पर आ गया और नाले की धार नदी में किए हुए बोरिंग पाइप के पास जाकर रुक गई। आज की स्थिति में नाली का गंदा पानी नदी में लगातार जमा हो रहा है और वही जमा पानी नदी में की हुई बोरिंग में रिसकर पहुंच रहा है। फिर उस पानी की सप्लाई जल संस्थान द्वारा की जा रही है। जिसके चलते लोग गंदा और बदबूदार पानी इस्तेमाल करने के लिए अपने अपने घरों में भरते हैं। लगातार फैल रहे संक्रमण के इस मौसम में गंदा पानी पीने से संक्रमण बढ़ने का खतरा और भी बढ़ रहा है। लोगों ने जल संस्थान अधिकारियों से मांग करते हुए कहा कि जल्द से जल्द जिम्मेदारों को नाले में गिर रहे नाले को अलग कर नगर वासियों के लिए स्वच्छ पानी की व्यवस्था करनी चाहिए। ताकि नगर वासियों को साफ व स्वच्छ पानी मुनासिब हो सके।

सपा ज़िला अध्यक्ष ने मुख्यमन्त्री के आगमन पर जिले के लिए विकास कार्यों को बढ़ाने की लगाई थी उम्मीद

अंकित कुमार रिपोर्टर

इटावा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सैफई पीजीआई दौरे पर आए हम सब को उम्मीद थी की मुख्यमंत्री जी आयेगे और सैफई पीजीआई का बजट या बेड बढ़ाने के लिए नई बिल्ड़िंग की बोल कर जाएंगे ऐसा कुछ भी नही हुआ औपचारिक बैठक कर चले गए। निर्माणाधीन 500 बेड का कैंसर का अस्पताल चालू होने को हैं उसको चलाने की ही पहल कर देते जिससे हजारो लोगो की जान बचाई जा सकती थी यहां तक कि मीडिया उनसे सवाल न पूछ पाए इसलिए मीडिया से भी नही मिले । सैफई पीजीआई को नेता जी ने बनाया और मा. अखिलेश जी ने इस संस्थान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का रुप प्रदान किया, जिसका परिणाम ये हुआ कि इटावा और आसपास के 20 जनपदों के लोग सैफई पीजीआई में इलाज कराने आते हैं और यहाँ वो इलाज और सुविधायें लगभग निशुल्क मिलती रही हैं कि अगर किसी निजी अस्पताल में जाएं तो लाखों करोड़ों रुपए खर्च हों।लेकिन बहुत कष्ट के साथ कहना पड़ता हैं,इस संस्थान को भी भाजपा की तुच्छ राजनीति का शिकार होना पड़ रहा है ।

राज्यमंत्री ओ पी एस भदोरिया ने कोविड-19 को देखते हुऐ कलेक्टर एस पी जिला चिकित्सालय पदाधिकारियों की बैठक की

संवाददाता बृजपाल सिंह गुर्जर मेहगांव

मेहगांव विधानसभा से विधायक कोविड-19 प्रभारी राज्यमंत्री ओ पी एस भदौरिया ने आज कोविड 19 को देखते हुऐ भिण्ड जिले के कलेक्टर सतीश कुमार एस पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह जिला चिकित्सालय के पदाधिकारीयो की बैठक ली साथ कोविड-19 नियंत्रण संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की और अन्य विषयों पर भी चर्चा की

कांग्रेस नेत्री लक्ष्मी शिवहरे गांधी पार्क में बैठी धरने पर कातिलाना हमला करने वाले अपराधियों को गिरफ्तार करने की कर रही मांग

श्योपुर। कांग्रेस की जिलामामंत्री लक्ष्मी शिवहरे अपने बेटे पर किये गए चाकुओं से कातिलाना हमला करने वाले अपराधियो की मांग को लेकर गांधी पार्क में धरने पर बैठ गई है।जहा लक्ष्मी शिवहरे पुलिस से अपने बेटे पर चाकुओं से कातिलाना हमला करने वाले अपराधियो की गिरफ्तारी की मांग कर रही है।अब देखनेवाली बात तो यह है कि फोन पर पांच लाख की फिरौती की मांग करने वाले बुलुट गैंग के सदस्यों को तो पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।अब धरने पर बैठी लक्ष्मी शिवहरे के बेटे पर चाकुओं से कातिलाना हमला करने वाले अपराधिको पुलिस कब तक गिरफ्तार करती है इस पर लोगो की निगाह लगी हुई है।

गीरवी व ज्वैलर्स एसोशिएशन तामीलनाडु मुख्यमंत्री कोष में एक लाख रुपये सुपुर्द किये

चैन्नई ~-तामीलनाडु मुख्यमंत्री राहत कोष मे देने के लिए तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन माम्बलम सईदापेट जाफराकानपेट नन्दबाक्कम कि तरफ सु 100000/ एक लाख रुपया तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द को सुपुर्द किया इस कार्यक्रम मे तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के माम्बलम सईदापेट जाफराकानपेट नन्दबाक्कम ऐरीया प्रभारी दिलीपकुमार हामड सीरवी राजूराम हांमङ गोपालचन्द प्रितमजी सेन अशोक नाहटा तरूणकुमार सैन यशवन्त काग मोजुद थे।

जब्त शुदा हुआ मशरू का-हौंडा शाइन मोटरसाइकिल एप्पल मोबाइल-आरोपी द्वारा घटना में प्रयुक्त किया गया वाहन-स्विफ्ट कार एमपी-4775- आरोपी छोटे सिंह से जप्त आलाजर्र एक कट्टा 315 बोर का मैं दो जिंदा राउंड 315 बोर,

कुल कीमत मसरुका-1 लाख 2000 रुपए-सराहनीय कार्य-इस कार्रवाई में थाना प्रभारी डी वी एस तोमर उप निरीक्षक सुरेश चंद शर्मा राजवीर यादव दीवान अवधेश गुर्जर आरक्षक प्रदीप आरक्षक मुन्नेश आरक्षक मायाराम व थाना प्रभारी लहार श्री कुशल सिंह भदोरिया उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह की रही सराहनीय भूमिका पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा उक्त टीम को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है आरोपी गणों से अन्य लूटो के संबंध में पुलिस रिमांड लेकर पूछताछ की जा रही है।

थाना मेहगांव द्वारा किया

8 घंटे के अंदर लूट का पर्दाफाश

संवाददाता बृजपाल सिंह गुर्जर

मेहगांव। शाम समय करीब 17.40 बजे फरियादी होतमसिंह पुत्र फूल सिंह कुशवाह निवासी बरखेरिया थाना मो ने सूचना दी की एक नीले रंग की स्विफ्ट गाड़ी मैं बैठे चार बदमाशों के द्वारा मेरी मारपीट कर कट्टा लगाकर कर मेरी मोटरसाइकिल हीरो होंडा शाइन क्रमांक एमपी 32 एमडी 6128 व एक एप्पल कंपनी का मोबाइल को अमायन तिराहा मौ रोड पर लूट कर ले गए तथा अमायन तरफ भागे हैं फरियादी की सूचना पर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 209 21 धारा 394 भादवि 11,13 एमपी डीपीके एक्ट का अपराध कायम कर उक्त अपराध की गंभीरता को देखते हुए थाना मेहगांव द्वारा हुई दिनदहाड़े लूट को चैलेंज के रूप में लिया गया निर्देश -पुलिस अधीक्षक श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय भिंड श्री मनोज कुमार सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय श्री कमलेश खरपूसे प्रभारी एसडीओपी श्री अरविंद कुमार साह के द्वारा लूट के आरोपियों को पकड़ने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

प्राप्त सूचना- प्राप्त गांव पहुंचे तब जरिए मुखबिर सूचना मिली की तीन चार बदमाश एक स्विफ्ट गाड़ी नीले रंग की लिए केशव गढ़ में स्कूल के पास खड़े हैं तथा स्विफ्ट गाड़ी को स्कूल के अंदर छिपा दिया है उक्त सूचना से थाना प्रभारी लहार श्री कुशल सिंह भदोरिया को थाना फोर्स के साथ केशव गढ़ पहुंचा तो 3 बदमाश फोर्स को देखकर इधर उधर भागने लगे जिन्हें घेरकर पकड़ा नाम पता पूछा तो बदमाशों ने अपना नाम छोटे सिंह उर्फ छोटू उर्फ संतोष सिंह पुत्र हरेंद्र सिंह भदोरिया उम्र 32 साल थाना गोरमी तीसरे ने अपना नाम रोहित सिंह पुत्र होम सिंह नरवरिया उम्र 20 साल निवासी दुनिया पुरा थाना गोरमी हाल वार्ड नंबर 11 गोरमी के मिले जिनसे पूछताछ की तो इधर उधर की बातें करने लगे जब कड़ाई से

निवासी मानहड थाना गोरमी कथा दूसरे ने अपना नाम अमित उर्फ अंकित पुत्र रामकिशन भदोरिया श्रीवास उम्र 21 साल निवासी कल्याणपुरा हाल वार्ड नंबर 11 गोरमी पूछताछ की तब तीनों ने बताया कि आज हम अपने साथी छोटे सिंह की स्विफ्ट डिजायर गाड़ी नंबर एमपी ष्4 4775 से अपने साथी हर्षित पुत्र केदार सिंह राजावत उम्र 20 वर्ष निवासी भटपुरा थाना लहार हाल वार्ड नंबर बिजासन रोड लहार के साथ भिंड गए थे तथा भिंड से वापस गडौरी तरफ आ रहे थे हम लोगों ने रास्ते में योजना बनाई की आज सुनसान जगह पर कोई मोटरसाइकिल पैसे आदि की लूट करेंगे मोटरसाइकिल को बेचकर गाड़ी के खर्चे को निकाल कर सभी पैसे को बराबर बराबर बाटेंगे छोटे सिंह भदोरिया पर कट्टा था जैसे ही हम लोग अमायन तिराहा मौ रोड के पास पहुंचे तो होंडा शाइन पर 3 लोग बैठकर मो तरफ जा रहे थे वह जगह सुनसान है जब देखा कि सुनसान जगह पर कोई नहीं है तो हम लोगों ने अपनी स्विफ्ट गाड़ी को उनके आगे लगाकर रोक लिया तथा छोटे सिंह ने मोटरसाइकिल चलाने वाले की छाती पर कट्टा लगा दिया मोटरसाइकिल पर पीछे बैठे दो व्यक्ति डर के कारण भाग गए मोटरसाइकिल वाले की हम सब लोगों ने मारपीट की तथा उसकी मोटरसाइकिल हीरो हौंडा शाइन एप्पल मोबाइल व पर्स लूट कर ले गए तथा केशव गढ़ आ गए केशव गढ़ में हम चारों ने मोटरसाइकिल इंदल सिंह के बोर पर जो सुनसान जगह पर है जहां तिवरिया बनी है उसमें छिपाकर रख दी तथा एप्पल मोबाइल को लेकर हर्षित लहार चला गया जिस स्विफ्ट गाड़ी से हम लोग गए वह गाड़ी स्कूल के अंदर छिपा कर रख दी तब आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

ताऊ ते का असर हुआ कम, अब 24 मई से सूरज के तीखे तेवर, प्रदेश में गर्मी बढ़ेगी

ग्वालियर चंबल संभाग में बूंदाबांदी

केशब पडित जी अम्बाह...

चंम्बल। मध्यप्रदेश में भी अब तूफान ताऊ ते का असर कम पड़ने लगा है। हालांकि अगले 24 घंटों के दौरान ग्वालियर समेत नौ जिलों में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी की संभावना है। इसके अलावा, बाकी जगह मौसम शुष्क और साफ रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार 24 मई से प्रदेश में गर्मी बढ़ने की उम्मीद है। मौसम विभाग की मानें, तो इस बार 25 मई से लेकर 28 मई तक तापमान 44 डिग्री या उससे अधिक भी जा सकता है, जबकि मई के अंत और जून के पहले सप्ताह में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार अगर केरल में 28 मई तक मानसून पहुंचता है, तो प्रदेश में भी इसके जल्दी आने की उम्मीद बढ़ जाएगी। हालांकि बीते कई सालों से मानसून 20 जून के बाद ही प्रदेश में आ रहा है। भोपाल में सुबह गुरुवार सुबह से बादल छाए हुए हैं। इससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। दोपहर बाद बूंदाबांदी की भी संभावना है।

यहां हल्की बारिश का अलर्ट- ग्वालियर, शिवपुरी, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुर कलां, उमरिया, अनूपपुर, शहडोल और डिंडोरी में अगले 24 घंटों के दौरान हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। शेष मध्यप्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा।

जून में 46 डिग्री सेल्सियस के ऊपर पहुंच जाता है पारा-मध्यप्रदेश में मई की अपेक्षा जून का पहला और दूसरा सप्ताह गरम होता है। कभी-कभी तो पारा 47 डिग्री तक पहुंच जाता है, जबकि मई में नौ तपों के दौरान ही बीते 10 साल में तापमान अधिकतम 44 डिग्री तक नहीं पहुंच पाया। जून में वर्ष 2012 के बाद सबसे ज्यादा तापमान में वर्ष 2016 में अधिकतम तापमान 46.7 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके बाद पारा इससे नीचे ही रहा। बीते पांच साल से यह रिकॉर्ड बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार अभी तक तापमान के 47 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद कम ही है।

युवा समाज सेवी ने किया मास्क वितरण

संतोष सिंह भदौरिया

मुरैना /सबलगढ़ कांग्रेस नेता कुशाग्र मरैया ने बढ़ते कोरोनावायरस से बचाव व रोकथाम के लिए शनिवार को सबलगढ़ की ग्राम पंचायत टेंटरा में मास्क वितरण किये और लोगों से अपील की बेवजह घर से निकले और जरूरी हो तो मास्क लगाकर ही जाए साथ ही कहा कि 2 गज की दूरी मास के जरूरी युवा नेता मरैया ने कहा कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर बहुत ही खतरनाक है इस लहर से बचने का एक ही उपाय है घर पर ही रहे जब भी घर से बाहर निकले मास्क अवश्य पहने और हाथ सेनीटाइज करें और साबुन से बार-बार हाथ धोए तभी हम कोरोनावायरस की महामारी से विजय पा सकते हैं साथ ही कहा कि हम शासन प्रशासन का पूरा सहयोग करें ताकि हम इस जंग को आसानी से जीत सकें।

बीरभूम जिला पुलिस का मानवीय चेहरा

अमन राय ब्यूरो

पश्चिम बंगाल / पूरे देश में कोरोना कहर बरपा रहा है. पश्चिम बंगाल भी इससे अछूता नहीं है. इस स्थिति में आम लोगों की समस्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है एक तरफ कामकाज की चिंता दूसरी तरफ स्वास्थ्य को लेकर लोगों में चिंताएं बढ़ रही है. यास तूफान को लेकर भी लोगों की चिंता और बड़ी है.हालांकि राज्य सरकार पूरी प्रयास कर रही है कि आम जनमानस को किसी तरह की परेशानी ना हो. जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं चौकन्ना है. पश्चिम बंगाल में राज्य सरकार द्वारा 15 दिनों का लॉकडाउन किया गया है. पुलिस प्रशासन का यह प्रयास है सरकारी दिशा निर्देशों का पूरी तरह पालन करवाना. बात अगर बीरभूम पुलिस की करें तो बीरभूम जिला पुलिस द्वारा हर थाना क्षेत्र में लॉक डाउन एवं करोना की दूसरी लहर को लेकर जागरूकता अभियान पुलिस द्वारा किया जा रहा है. यही नहीं बीरभूम पुलिस द्वारा असहाय लोगों को खाद सामग्री के अलावा दूसरी जरूरी सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही है. जिला पुलिस अधीक्षक खुद पूरे विषय की मानिटरिंग कर रहे हैं. इसके साथ साथ अधिकारियों के संग बैठक कर

जरूरी दिशा निर्देश भी दे रहे हैं ताकि सहयोग के साथ साथ किसी तरह की अप्रिय घटना ना हो सके इस बात का पूरा ख्याल रखा जाए.दुबराजपुर थाना क्षेत्र के अमित दास बताते हैं कि पुलिस का भरपूर सहयोग मिल रहा है. वही इलामबाजार के रहने वाले लोगों से जब हमने बात की अजय प्रमाणिक ने बताया पुलिस हर रोज हमें खाने पीने की चीजें देती है पुलिस का यह सहयोग नहीं मिलता शायद हमारे लिए बहुत मुश्किल का यह वक्त था. सिउड़ी थाना क्षेत्र के अपना नाम बता कर बापी दास ने बताया पुलिस आज हमारे लिए भगवान का रूप बन कर आई है.दो वर्ष पहले हमारा दुर्घटना हो गया था उसके बाद से कामकाज नहीं है ऐसी अवस्था में पुलिस ने जो सहयोग किया है यह मैं कभी नहीं भुला पाऊंगा. पुलिस का यह मानवीय चेहरा देख जहां लोगों को मिल रही है जीने की सीख वही हमें मिल रही है एक छोटी सी आशा।

कोरोना काल में नहीं मिल रहा है शासन के राशन का सहारा

अम्बाह। कोरोना में किसानों और पीड़ा ।कोरोना काल और लाक डाउन में जरुरतमंदों को खाद्यान्न की समस्या न हो इसी को ध्यान में रखकर। राज्य सरकार ने यह घोषणा कि 24प्रकार की श्रेणी में पात्र पाए जाने वाले लोगों के परिवार को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत तीन माह का राशन निशुल्क दिया जाएगा। और इसकी जानकारी, आदेश भी संबंधित अधिकारियों को दे दिए गए और ।जो प्राधिकारी इसके लिए अधिकृत हैं। जिसमें, संबंधित क्षेत्र के विधायक, गांव व शहरी क्षेत्र में वार्ड पार्षद, और सरपंच, सचिव, जनपद पंचायत, आदि।इसी कृम में थरा ग्राम पंचायत में प्रवासी मजदूर परिवारों का आंकड़ा लगभग पांच सैकड़ा से अधिक होगा। जो इस कोरोना काल में कहीं भी मजदूरी करने के लिए नहीं जाने के लिए मजबूर हैं।। गांव के पात्र लोगों की आप बीती। गांव के राम सिंह कुशवाह बताते हैं कि मैं पिछले फरवरी मार्च से खाने, कमाने नहीं जा पाया हूं क्यो कि मार्च में मैं घर पर आया था और आलू की पल्लेदारी करते हुए। मेरे हाथ की हड्डी टूट गई, जिससे मैं बाहर नहीं जा सका इससे पहले मैं महाराष्ट्र में ईंट बनाने का काम करता हूं। फिर जब हांथ कुछ ठीक हुआ तब तक लांकडाऊन लग गया था। अब घर में तीन बच्चियां और एक बच्चा,हम मियां बीवी दो लोग अब खाने पीने के लिए कर्जा लेकर काम चला रहे हैं। और शासन ने खाद्यान्न देने के लिए अस्थाई पर्ची भी बनाने की बोली है तो वह भी नहीं बन पा रही है। गांव के एक अन्य सौरभ सिंह तोमर कहते हैं कि हम भी दिल्ली में मेहनत करके जैसे-तैसे कार्य चल रहा है। लेकिन वहां भी लाकडाऊन के चलते घर आ गया। तो फिर यही फंस गया। लेकिन शासन खाद्य पर्ची बनाने की बोली है तो वह भी नहीं बन रही है। हम अभी अपने वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन ले रहे हैं। शासन ने आदेश तो किए और हम बनाने के लिए भी तैयार हैं। अधिकारियों की सहमति और मार्गदर्शन मिलते ही हम पात्रता पर्ची बनाने की कार्यवाही तुरंत शुरू कर देंगे और जो भी इसके लिए पात्र होंगे उनकी समस्या दूर की जाएगी। संजू सिंह सेंगर सह सचिव ग्राम पंचायत थरा।

शासन स्तर से 24 श्रेणियां बनाई गई है जिसमें पात्र को बनाईं जानी है अस्थाई खद्यान पर्ची। भीमसेन तोमर थरा

ताली थाली बजाकर जनपद के व्यापारियों ने लॉकडाउन बढ़ाने पर जताया विरोध

सरकार की दोगली नीति हमें पसंद नहीं-अतुल राठी

व्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा । जनपद में व्यापारियों द्वारा ताली थाली बजाकर लॉक डाउन बढ़ाने का विरोध किया गया। इस दौरान व्यापारियों ने सरकार के विरोध में नारेबाजी भी की। आपको बता दें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आंशिक लॉकडाउन को 24 मई से आगे बढ़ाते हुए 31 मई तक कर दिया गया है। ऐसे में जिला मुख्यालय पर व्यापारियों में काफी रोष व्याप्त है, उनका कहना है कि जब शराब की दुकानें खोली जा रही है एवं ऑनलाइन शॉपिंग लगातार जारी है। तो उनको क्यों नहीं तीन चार घंटे बाजार खोलने की अनुमति दी जा रही है। व्यापारियों का कहना था कि या तो पूर्ण लॉकडाउन किया जाए या फिर उन्हें भी तीन-चार घंटे बाजार खोलने की अनुमति दी जाए। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष अतुल राठी ने कहा कि सरकार की दोगली नीति हमें पसंद नहीं है हम इसका विरोध करते हैं। हम जीएसटी भी देते हैं उसके बावजूद भी हम पिछले लगभग 1 माह से घरों में बैठे हुए हैं। अतुल राठी ने आगे कहा कि सरकार द्वारा ऑनलाइन शॉपिंग पर कोई रोक नहीं लगाई गई है, वह लगातार जारी है। वहीं अपने राजस्व को बढ़ाने के लिए सरकार शराब एवं बियर की दुकानों को लगातार खुलवा रही है। ऐसे में हमें ही क्यों घरों में बंद किया गया है। हमें भी 3 से 4 घंटे दुकान खोलने की अनुमति प्रदान की जाए। हमारे भी बच्चे हैं हमें भी पेट पालने के लिए व्यवसाय करने की आवश्यकता होती है। अगर हमारे व्यवसाय ही नहीं होगा, बिक्री ही नहीं होगी,दुकाने लगातार बंद रहेंगी तो हम कैसे जिएंगे कैसे रोटी खाएंगे और बिजली का बिल दुकान का किराया कहां से देंगे इस दौरान गांधी मूर्ति से घंटाघर, जीटी रोड, बाबूगंज, गांधी मार्केट आदि बाजारों में व्यापारियों ने सैकड़ों की संख्या में पैदल मार्च करते हुए ताली एवं थाली बजाकर सरकार की इस दोगली नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

शहर के विधुत विभाग की अनदेखी से आम जन उत्तरे सड़कों पर!

महिला नेत्री ने संभाला मोर्चा किला रॉड भिंड ऋषि मंदिर के पास किया चक्काजाम

उमाकान्त शर्मा रिपोर्टर

भिण्ड। लॉक डाउन में आम आदमी अपने घरों पर कैसे रहे जब बिजली विवस्था ही चौपट हो मामला किला रोड बार्ड क्रमांक 18 का बताया जा रहा है ।इस बार्ड में पिछले तीन दिनों से विधुत ट्रांसफार्मर खराब चल रहा है बार्ड में करीव दो हजार के लगभग आम जन की आवादी पानी पीने के लिए परेशान है ।काफी बार वरिष्ट अधिकारियों को अबगत कराया गया लेकिन विजली सप्लाई दुरुस्त नहीं हुई ,समाज सेबी महिला काँग्रेश पद अधिकारी ममता मिश्रा ने बताया की पिछले तीन दिनों से बार्ड 18 वासी परेसान है जिसके लिए विजली विभाग के अधिकारियों कर्मचारियो से चर्चा भी की गई और

उनको ट्रान्स फार्मर रखने के लिए तीन हजार रुपये भी दिए गए लेकिन टीम के द्वारा खराब ट्रांसफार्मर रख कर आम जन को गुमराह कर दिया गया ।तीन दिन की परेसानी जब आम जन से बर्दास्त नही हुई तब आज आक्रोश में किला मोड़ पर सुबह से ही चक्का जाम कर दिया और अपना गुस्सा बिजली विभाग के ऊपर नारे बाजी कर निकालने लगे काफी देर भीड़ इकट्ठी खड़ी रही जब जिला प्रसासन को इस बात की जानकारी हुई तो मौका स्थल पर विजली विभाग की टीम ओर पुलिस भी पहुची यहां भीड़ को समझाइश भी दी गई लेकिन भीड़ का एक ही कहना है ।हमारी डीपी बदली जाए उसके बाद ही जाम को खोला जाएगा ।

इन मोहल्ले के लोग है परेशान-किला रोड जैन मंदिर के पास सरकारी इमामबाड़ा गर्ल्स स्कूल बाली गली भिण्ड ऋषि मंदिर की कुछ एरिया कुछ किला रोड की एरिया आदि इलाके में तीन दिनों से पसरा रहता था सन्नाटा ।

प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के लिये 3856 करोड़ रूपये की कार्य-योजना मंजूर

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भोपाल। प्रदेश में 724 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए भारत सरकार द्वारा 3856 करोड़ रुपए की वार्षिक कार्य-योजना को मंजूरी दी है। इस राशि से प्रदेश के 51 राष्ट्रीय राजमार्गों के सुदृढ़ीकरण, पुल और नवीन मार्गों के निर्माण का कार्य कराया जाएगा। लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने इसके लिये केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया है। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मण्डलोई ने बताया कि प्रदेश से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव, गुणवत्ता नियंत्रण, चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण, पुल निर्माण तथा नवीन राजमार्गों के निर्माण की विस्तृत कार्य-योजना तैयार कर भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को भेजी गई थी, जिसे भारत सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि इसके तहत 8 राष्ट्रीय राजमार्गों की 527 किलोमीटर सड़कों का चौड़ीकरण किया जायेगा। इस कार्य के लिये 2966 करोड़ रुपये की राशि की स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार 11 राष्ट्रीय राजमार्गों के 210 किलोमीटर के निर्माण में भू-अर्जन के लिये 526 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर यातायात की सुगमता के लिये 3 पुलों के निर्माण के लिये 33 करोड़ रुपये, 7 राष्ट्रीय राजमार्गों के 197 किलोमीटर सड़क मार्गों के सुदृढ़ीकरण के लिये 125 करोड़ रुपये स्वीकृत किये गये हैं। इसी प्रकार प्रदेश में 22 राष्ट्रीय राजमार्गों पर 112 किलोमीटर क्षेत्र में सुदृढ़ीकरण सहित अन्य कार्यों के लिये 200 करोड़ रुपये तथा प्रदेश में नवीन 194 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों की डीपीआर तैयार करने के लिये 6 करोड़ रुपये की राशि कार्य-योजना में स्वीकृत की गई है।

8 राष्ट्रीय राजमार्गों के चौड़ीकरण पर खर्च होंगे 2966 करोड़ रूपये-वर्ष 2021-22 की स्वीकृत वार्षिक कार्य-योजना में नसरुल्लागंज-रेहटी-बुधनी मार्ग में 47 किलोमीटर क्षेत्र के चौड़ीकरण के लिये 3 करोड़ 4 लाख 55 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। इसी प्रकार जीरापुर सुसनेर से राजस्थान सीमा तक 47 किलोमीटर मार्ग के लिए 3 करोड़ 6 लाख 54 हजार, कुरावाई, मुंगावली से चंदेरी तक 81 किलोमीटर के लिए 4 करोड़ 99 लाख, डिंडौरी-सागर टोला 78 किलामीटर के लिए 3 करोड़ 29 लाख, जीरापुर-पचौर बायपास को सम्मलित करते हुए 53 किलोमीटर के लिए 4 करोड़ 36 लाख, कुन्डम में शहापुरा 40 किलोमीटर के लिए 1 करोड़ 78 लाख, जाहरखेडा- बैरासिया- धौलखेड़ी बायपास को सम्मलित करते हुए 87 किलोमीटर के लिए 3 करोड़ 56 लाख रूपये तथा डिंडौरी से मण्डला से बायपास को सम्मलित करते हुए 94 किलोमीटर के लिए 5 करोड़ 56 लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई है।

लोक निर्माण मंत्री द्वारा केंद्र सरकार का आभार

11 राष्ट्रीय राजमार्गों के भू-अर्जन के लिए 526 करोड़ का प्रावधान-प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई ने बताया कि प्रदेश में 11 राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार कार्य के लिए भू- अर्जन किया जाना है। इसके तहत एनएच-43 पवई बायपास पर 12 किलोमीटर, एनएच-943 कैथी-पडारीया कॅला बायपास पटना, तमोली बायपास, जासौ बायपास और नगोद बायपास 15 किलोमीटर, एनएच-552 मुरैना- अम्बाह बायपास 21 किलोमीटर, खिलचीपुर बायपास 5.50 किलोमीटर, पचौर-शुजालपुर-आष्टा बायपास 19 किलोमीटर, पोरसा-अटेर-प्रतापपुरा से भिंड बायपास 20 किलोमीटर, मिहोना-लहार-दवोह-भांडेर बायपास 19 किलोमीटर, बीरोरा बायपास 3 किलोमीटर, छतरपुर बायपास 15 किलोमीटर, हरपालपुर बायपास 10 किलोमीटर तथा श्यामपुर से सबलगढ़ तक 70 किलोमीटर मार्ग पर भू-अर्जन के लिए 526 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

33 करोड़ रूपये की लागत से बनाये जाएंगे तीन पुल-एनएच-346 पर विदिशा से मैलुआ मार्ग पर 3 छोटे पुलों का निर्माण कराया जायेगा। इसके लिए 33 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

125 करोड़ रूपये से 7 राष्ट्रीय राजमार्गों का सुदृढ़ीकरण-स्वीकृत कार्ययोजना के अंर्तगत खलघाट-कसरावद-खरगौन-बिस्तान रोड पर 4 किलोमीटर, टीकमगढ़-पृथ्वीपुर से ओरछा मार्ग पर 41 किलोमीटर, शहगढ़ से टीकमगढ़ रोड़ पर 36 किलोमीटर, इंदौर से बैतूल रोड़ पर 47 किलोमीटर, बालाघाट-नैनपुर रोड पर 4 किलोमीटर, बैतूल से आशापुर रोड़ पर 4 किलोमीटर तथा दौलखेड़ी चौराहा- मैलुआ चौराहा- कुरवाई रोड पर 60 किलोमीटर सड़कों का सुदृढ़ीकरण किया जायेगा। इसके साथ ही 6 राष्ट्रीय राजमार्गों के 194 किलोमीटर की डीपीआर तैयार करने के लिए 6 करोड़ रूपये तथा 22 राष्ट्रीय राजमार्गों के 112 किलोमीटर क्षेत्र में विभिन्न कार्यों के लिए 200 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान कि गई है।

भगवान परशुराम सत्ता के साधन नहीं हमारे आराध्य हैं: भृगुवंशी आशुतोष पांडेय

व्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा। राष्ट्रीय ब्राह्मण युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भृगुवंशी आशुतोष पांडेय ने अपने उत्तरप्रदेश संगठन के पदाधिकारियों से रविबार को समीक्षा बैठक में कहा कि लोगो ने भगवान परशुराम को सत्ता का साधन बना लिया हैं पर हम सब यह जान ले कि भगवान परशुराम हमारे आराध्य हैं और वही सर्वोपरि हैं। सियासत और सरकार आती हैं ना कि वो किसी के नीचे। संगठन का एक एक कार्यकर्ता पदाधिकारी ब्राह्मण अस्मिता और उनके तेजस्व को जागृत करने के लिए देश प्रदेश में हर ब्राह्मण चौखट दस्तक दे और ब्राह्मणो को एकजुट कर जनकल्याण के लिए प्रेरित करें ना कि कुछ संगठनो की भांति नक़ल करके सत्ता की कुंजी बनाने के लिए भगवान परशुराम का नाम प्रयोग करते हुए उन्हें ही सत्ता की चरण पादुका बनाये। हमारे लिए भगवान परशुराम की सत्ता चाहिए जो न्याय के प्रतीक हैं समाज कल्याण और जन उद्धार के लिए समर्पित हैं और हम सब संगठन के जुड़े ब्राह्मण अपने आपको भगवान परशुराम के प्रति समर्पण भाव से उनकी आराधना और उनके दिखाए मार्ग को अपनाते हुए समाज और देश को सचेतक और सुधारक के रूप में सेवा कर्म में लीन हैं और रहेंगे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के सरकार के एक मंत्री जो ब्राह्मण है उन्होंने भगवान परशुराम का अपने सरकारी कार्यालय में एक नेता के नीचे चित्र लगाया है जो अपमान भगवान परशुराम का किया है कि वह तत्काल उस चित्र को हटा ले अन्यथा संगठन उनके खिलाफ प्रर्दशन करेगा और उनका विरोध करेगा चाहे वो उनके संगे भाई से ज्यादा क्यों न हो बैठक में उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष प्रतीक त्रिपाठी ने संचालन किया मुख्य रूप से संगठन महामंत्री हिमांशु पांडे प्रदेश उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र शुक्ला , संगठन मंत्री देव् पांडेय,आईटी विभाग संयोजक शिवम पांडेय, प्रदेश संयोजक महिला मोर्चा तृप्ति दुबे अवध क्षेत्रीय महामंत्री महिला मोर्चा सुमन मिश्रा आगरा जिला अध्यक्ष गौरव शर्मा ,जिला अध्यक्ष कानपुर अभिषेक मिश्रा, जिलाध्यक्ष एटा आशू पाराशर ,सहारनपुर जिला अध्यक्ष अंकित शर्मा,मुजफ्फरनगर जिले अध्यक्ष विजय भारद्वाज, शामली जिला अध्यक्ष अभिराज शर्मा, सहित 60 जिला अध्यक्ष मौजूद रहे।

चोरी की योजना बनाते समय चार शातिर चोर अवैध असलहा कारतूस सहित गिरफ्तार

व्यूरो सोनू कुमार माथुर

एटा। थाना कोतवली नगर पुलिस द्वारा चोरी की योजना बनाते समय चार शातिर चोरों को अवैध असलहा कारतूस सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। एटा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह के निर्देशन में अपराध एवं अपाराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत। घटनाक्रमानुसार रविबार को थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर चोरी की योजना बनाते चार शातिर चोरों देवेंद्र पुत्र पंचम निवासी ग्राम ककरावली हुसैनपुर थाना निधौली कलां सतेंद्र पुत्र भूरे निवासी सेलार थाना कोतवाली देहात सूरज पाल उर्फ सूर्या पुत्र कायम सिंह निवासी चोंचा वनगांव थाना कोतवाली नगर गिरीश पुत्र उदयवीर निवासी मोहल्ला संजय नगर थाना कोतवाली नगर को जीटी रोड शीतलपुर शमशान भूमि के पास बनी गौशाला के पास थाना कोतवाली नगर से गिरफ्तार किया गया है। जामातलाशी तथा मौके से अभियुक्त सत्येंद्र तथा देवेंद्र के कब्जे से 02 तमंचा व 04 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया है। सख्ती से पूछे जाने पर गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया गया कि आज हम कहीं चोरी करने की फिराक में थे तथा इसी उद्देश्य से यहां बैठकर योजना बना रहे थे। इस सम्बंध में अभियुक्तों के विरुद्ध थाना कोतवाली नगर पर अभियुक्त सत्येंद्र तथा देवेंद्र के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर थानास्तर से आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

कलेक्टर ने धारा 144 अंतर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए किए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। जिला भिण्ड में नोबेल कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण एवं जन सामान्य के स्वास्थ्य हित एवं लोक शांति बनाये रखने के उद्देश्य से एवं मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग मंत्रालय वल्लभ भवन भोपाल के दिशा निर्देश एवं 23 मई 2021 को जिला स्तरीय संकट प्रबंधन समूह की आयोजित बैठक में लिये गये निर्णय के क्रम में कलेक्टर एवं ज़िला दण्डाधिकारी डॉ सतीश कुमार एस ने भिण्ड जिले की राजस्व सीमान्तर्गत दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 में निहित शक्तियों का प्रयोग कर निम्नानुसार आदेश प्रसारित किया है-

आवश्यक प्रतिबंधों

1. कोई भी व्यक्ति अति आवश्यक गतिविधियों को छोड़कर रात्रि 10-00 बजे से प्रातः 06-00 बजे के मध्य घर से बाहर नहीं निकलेंगे और न ही आवागमन करेगा। (औषधालय, केमिस्ट, नर्सिंग होम को छोड़कर)
2. समस्त व्यापारिक प्रतिष्ठान शनिवार एवं रविवार को पूर्णतः बंद रहेंगे अर्थात उक्त दिवसों में संपूर्ण कोरोना कर्फ्यू प्रभावी रहेगा। (औषधालय, केमिस्ट, नर्सिंग होम को छोड़कर)
3. पूर्व जारी दिशा निर्देशों के अनुसार समस्त प्रकार के सार्वजनिक धार्मिक, राजनैतिक, सामाजिक समारोह / आयोजन प्रतिबंधित रहेंगे।
4. शादी / वैवाहिक समारोह, मृत्यु भोज आदि सार्वजनिक समारोह पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।
5. संपूर्ण जिले में समस्त धार्मिक स्थल / पूजा स्थल आम जनता के लिये बंद रहेंगे।
6. जिले में संचालित समस्त जिम / व्यायाम शाला और कोचिंग क्लासेस पूर्णतः बंद रहेंगे।
7. भिण्ड जिला अंतर्गत होटल / मैरिज गार्डन / धर्मशाला आदि में सार्वजनिक रूप से आयोजित होने वाले शादी समारोह एवं सार्वजनिक रूप से आयोजित तेरहवीं उठावना अन्य सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक कार्यक्रम पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे।

माइक्रो कंटेनमेंट क्षेत्रों को छोड़कर शेष क्षेत्रों में निम्न गतिविधियां प्रतिबंध से मुक्त रहेगी :-

प्रतिबंध से मुक्त गतिविधियां -1. आवश्यक वस्तुयें यथा फल, सब्जी, दूध, किराना की आपूर्ति होम डिलेवरी अर्थात् द्वार प्रदाय सेवा के माध्यम से की जा सकेगी।

2. औषधालय, केमिस्ट, फार्मेसियां, जन औषधि केन्द्र, चिकित्सा उपकरण की दुकानें एवं सभी प्रकार की दवा की दुकानें प्रतिबंध से मुक्त रहेंगी।
3. कृषि संबंधी सेवाएं जैसे कृषि उपज मण्डी, उपार्जन केन्द्र, खाद, बीज, कीटनाशक दवाएं कस्टम हायरिंग सेंटर्स, कृषि यंत्र की दुकानें आदि प्रतिबंध से मुक्त रहेंगी।
4. आटा चक्की पिसाई सेंटर, पशु आहार, मोबाईल रिपेयरिंग सेंटर / दुकान ऑप्टीकल स्टोर, ऑटो मोबाईल रिपेयरिंग शॉप, हार्डवेयर एवं इलेक्ट्रिकल / इलेक्ट्रोनिक्स की दुकानें प्रतिबंध से मुक्त रहेंगी।
5. स्टैंडअलोन (एकल) दुकानें, अड़ोस-पड़ोस (कॉलोनी) की दुकानें और आवासीय परिसरों में स्थित दुकानों को खोलने की अनुमति रहेंगी।
6. ई-कामर्स से संबंधित सेवाऐं प्रतिबंध से मुक्त रहेंगी।
7. निर्माण कार्य से संबंधित गतिविधियां कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुये संचालित की जा सकेगी।
8. समस्त शासकीय कार्यालय अधिकारियों की शत प्रतिशत उपस्थिति एवं कर्मचारियों की 25 प्रतिशत उपस्थिति के साथ कार्यालयीन समयानुसार संचालित रहेंगे।
9. जिला अंतर्गत संचालित समस्त पंजीयन कार्यालय शत प्रतिशत अधिकारी / कर्मचारियों की उपस्थिति के साथ कार्यालयीन समयानुसार संचालित रहेंगे।
10. समस्त अशासकीय कार्यालय कर्मचारियों की 25 प्रतिशत उपस्थिति के साथ संचालित किये जा सकेंगे।
11. लेबर मार्केट (मजदूर) गोल मार्केट / सदर बाजार के स्थान पर निराला रंग बिहार मेला ग्राउण्ड परिसर में रहेगा।

आवश्यक दिशा-निर्देश

1. दुकानदारों को दुकान के बाहर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित कराने हेतु गोले बनाना, रस्सी लगाना, सेनेटाईजर एवं मास्क की व्यवस्था तथा कोविड 19 प्रोटोकाल का पालन करना अनिवार्य होगा। प्रथम उल्लंघन करने पर न्यूनतम राशि रू. 1000/- से लेकर अधिकतम राशि रू. 5,000/- जुर्माना वसूलनीय होगा। लगातार उल्लंघन करने पर उल्लघंनकर्ता की दुकान / प्रतिष्ठान को 48 घण्टे की अवधि तक सील्ड किया जावेगा तथा अर्थदण्ड भी वसूला जायेगा।
2. सार्वजनिक स्थान व कार्य स्थल पर तथा परिवहन के दौरान कोई भी व्यक्ति बिना मुंह को ढ़के हुये अर्थात् बिना मास्क अथवा बिना कपड़ा से ढ़के घर से बाहर नहीं निकलेगा। आवश्यक सेवाओं की पूर्ति हेतु मुंह को मास्क अथवा कपड़े से ढ़कना अनिवार्य होगा। बिना मास्क के पाये जाने से प्रथम उल्लघंन पर राशि रूपये 100 /- एवं द्वितीय उल्लघंन पर राशि रूपये 500/ का अर्थदण्ड अधिरोपित किया जायेगा।
3. कोविड 19 संक्रमण को दृष्टिगत रखते हुये समस्त कार्यालयों / बैंक / हास्पीटल / न्यायालय परिसर को जीरो टोरेन्स जॉन घोषित किया गया है जिसमें शत प्रतिशत मास्क लगाया जाना तथा (नो मॉस्क नो इंट्री) अनिवार्य होगा।
4. 65 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्ति, गर्भवती महिलाओं, 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों एवं व्यक्तियों जिनको अन्य गंभीर बीमारी है, को चिकित्सीय प्रयोजन अथवा अतिआवश्यक सेवाओं के अतिरिक्त अन्य कारणों से कोरोना कर्फ्यू अवधि में घर से बाहर न निकलने की सलाह दी जाती है।
5. होम आइसोलेशन अथवा कोरोना संक्रमण के दौरान चिकित्सक द्वारा दिये गये परामर्श का उल्लघंन करना इस आदेश का उल्लघंन माना जाकर दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।
6. बड़ी सब्जी / फल मण्डियों को छोटे-छोटे स्वरूप में शहरों के भिन्न-भिन्न भागों में बांटे जाने की कार्यवाही संबंधित अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा की जावें।
7. कोविड-19 के संबंध में शासन / जिला प्रशासन / पुलिस द्वारा जारी किए गए दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें। यह आदेश भिण्ड जिले में निवासरत प्रत्येक नागरिक को सम्यक रूप से व्यक्तिशः तामील कराया जाना संभव नहीं है। अतः सार्वजनिक माध्यमों, इलैक्ट्रोनिक मीडिया एवं समाचार पत्रों के माध्यम से सर्व साधारण को अवगत कराया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक जिला भिण्ड, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जिला भिण्ड, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) / कार्यपालिक मजिस्ट्रेट समस्त जिला भिण्ड, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन भिण्ड, मुख्य नगर पालिका अधिकारी समस्त जिला भिण्ड अपने अपने विभागीय माध्यमों से उक्त आदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार कराना सुनिश्चित करें। यह आदेश दिनांक 24 मई 2021 सोमवार से प्रभावी होकर अन्य आदेश तक लागू रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने की दशा में संबंधित के तहत भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 तथा अन्य अधिनियमों के अन्तर्गत दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी।

ब्लैक फंगस रोग से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भोपाल। ब्लैक फंगस या म्युकोरमाइसिस रोग के भोपाल में बढ़ते संक्रमण के दृष्टिगत रोकथाम और बचाव के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए नागरिकों से सजगता और सतर्कता बरतने का आग्रह किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल ने बताया कि कोविड-19 संक्रमण से प्रभावित तथा पोस्ट कोविड संक्रमण से निरोग हुए व्यक्तियों में ब्लैक फंगस रोग के प्रकरण परिलक्षित हो रहे है। ब्लैक फंगस या इनवेसिव म्युकोरमईसिस एक फंगल संक्रमण है जो की संक्रामक नहीं है। अर्थात एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को संक्रमण नहीं होता है। प्रायः यह संक्रमण रोग प्रतिरोधक क्षमता की कमी वाले व्यक्तियों में, अनियंत्रित मधुमेह, श्वसन गुर्दा रोग के रोगी, केंसर के रोगी तथा मध्यम, गंभीर कोविड रोगियों में ही परिलक्षित हो सकता है। ब्लैक फंगस रोग के इलाज के लिए यह आवश्यक है कि इस रोग की शीघ्र पहचान की जाये।ब्लैक फंगस रोग के प्रारम्भिक लक्षण में नाक बंद होना, नाक से काले रंग का डिस्चार्ज होना, नाक के आसपास गालों में सूजन, चेहरे में दर्द, सुन्नपन एवं सूजन आना, लगातार सिरदर्द होना, मुख से बदबू आना, सीने में दर्द साँस लेने में दर्द होना, आँखों में दर्द के साथ धुंधला दिखाई देना, खून की उल्टी होना ओर मानसिक भ्रम होना शामिल है। ब्लैक फंगस के इलाज की व्यवस्था के लिए डेडिकेटेड यूनिट की स्थापना एम्स,हमीदिया सहित अन्य निजी संस्थानों में की गई है। यह संक्रमण अनियंत्रित डायबिटीज रोगी, पूर्व से उपचार पा रहे श्वसन अथवा गुर्दा रोग के रोगी, केंसर, अंग प्रत्यारोपण या इम्यूनोसप्रेसिव के रोगियों में भी हो सकता है, सभी कोविड संदिग्ध, पुष्ट रोगी या डिस्चार्ज रोगियों में डायबिटीज की उचित पहचान ओर नियंत्रण आवश्यक है। कोविड-19 के उपचारित रोगी छुट्टी के बाद भी घर पर 4 से 6 सप्ताह तक नमक पानी के गरारे एवं नाक साफ करते रहें।

राजस्थान में ब्लैक फंगस पर एसएमएस के ईएनटी चिकित्सकों की सर्जिकल मैराथन जारी

एसएसएम के चिकित्सकों ने पेश की मानवता की मिसाल, ब्लैक फंगस के मरीजों को ऑपरेशन कर दी राहत, ब्लैक फंगस को जानें, कारण, लक्षण और उपचार के तरीके

जयपुर। कोविड-19 के बाद ब्लैक फंगस ने सभी को हैरान परेशान कर दिया है। कोरोना संक्रमण के बाद म्यूकर माइकोसिस कोविड से ठीक हो रहे मरीजों को प्रभावित कर रहा है। जिसके बाद राज्य सरकार ने इसको महामारी घोषित कर दिया। महामारी घोषित करने के बाद सवाईमानसिंह अस्पताल के चिकित्सकों ने इससे निपटने के लिए विशेष रणनीति बनाकर इससे पीड़ितों को राहत दिलाने का संकल्प लेते हुए नॉन स्टाप ऑपरेशन कर मानवता की मिशाल पेश कर रहे है। चिकित्सकों की टीम द्वारा रविवार तक 45 से अधिक ब्लैक फंगस या म्यूकरमाइकोसिस के ऑपरेशन किए जा चुके है।

इस तरह शुरु हुआ दौर-राजस्थान सहित देशभर में कोरोना से रिकवर हो रहे मरीजों में ब्लैक फंगस / म्यूकरमाइकोसिस बढ़ रहा था। जिसके बाद इसे महामारी घोषित किया गया। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ सुधीर भंडारी, ईएनटी विभाग की हेड डॉ सुनिता अग्रवाल, वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ मान प्रकाश शर्मा, डॉ सुनील समधानी व उनकी टीम ने इस पर चर्चा कर तुरंत राहत देने पर काम शुरू किया। इसमें ईएनटी विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.पवन सिंघल, डा.अंजनी कुमार शर्मा, डा.शुभम अग्रवाल, एनेस्थेटिस्ट डा.सुनीता मीणा, वरिष्ठ नर्सिंग ऑफिसर कैलाश स्वर्णकार सहित अन्य विशेषज्ञों की टीम ने इस पर फिजिकल काम शुरू किया। ईएनटी विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ.पवन सिंघल ने बताया कि शुक्रवार सुबह 8 बजे से शुरू होकर रविवार तक 45 से अधिक मरीजों के ऑपरेशन कर राहत दी गई है। अभी इस पर पूरी टीम के साथ मरीजों को राहत दिलाने का काम जारी है। डॉ.सिंघल ने बताया कि कोरोना संक्रमण के बाद ब्लैक फंगस का खतरा सामने आ रहा है। इसमें घबराने की जरुरत नही है। इससे सावधान और विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह में इलाज लेना जरूरी है। इससे आंखों की रोशनी जाने का खतरा सामान्य है। इसके साथ ही यह ब्लैक फंगस आंखों से होता हुआ मरीज के दिमाग पहुंच रहा है। इसलिए मरीज में दूरबीन और अन्य तकनीक से आंखों और दिमाग तक फंगस लगे भाग को निकाला जाता है।

जाने क्या है म्यूकोरमायकोसिस यानी ब्लैक फंगस-कोरोना संक्रमण के साथ ब्लैक फंगस इन दिनों देखने में आ रहा है। ब्लैक फंगस का मेडिकल नाम म्यूकॉरमायकोसिस है। जो कि एक दुर्लभ व खतरनाक फंगल संक्रमण है। ब्लैक फंगस इंफेक्शन वातावरण, मिट्टी जैसी जगहों में मौजूद म्यूकॉर्मिसेट्स नामक सूक्ष्मजीवों की चपेट में आने से होता है। इन सूक्ष्मजीवों के सांस द्वारा अंदर लेने या स्किन कॉन्टैक्ट में आने की आशंका होती है। यह संक्रमण अक्सर शरीर में साइनस, फेफड़े, त्वचा और दिमाग पर हमला करता है। इसका समय रहते ऑपरेशन जरूरी है, इसका उपचार नही होने की स्थिति में मरीज की जान भी जा सकती है।

इस तरह के मरीज यहां आ रहे-डा.सिंघल ने बताया कि अभी तक एसएमएस में नाक में भरापन, गालों पर सूजन, मुंह के अंदर फंगस का पैच और पलकों में सूजन इत्यादि लक्षण वाले मरीज आ रहे है।

ब्लैक फंगस पर जारी रहेगा सर्जिकल-डॉ.पवन सिंघल ने बताया कि एसएमएस में टीम ब्लैक फंगस पर कार्य जारी रखेगी। ईएनटी की टीम के साथ सभी सदस्य जो इस मुहिम में जुड़े है वे लगातार दिन रात काम कर रहे है।

इसका रखें विशेष ध्यान-ईएनटी विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ.पवन सिंघल ने बताया कि वर्तमान में कोरोना संक्रमण के दौरान सभी विशेष ध्यान रखें।

ये लक्षण हो तो हो जाए सावचेत

चेहरे, आंख पर सूजन,
दांत हिलना
नाक से खून का आना
नाक पर काले भूरे चिंचड़े आना
चेहरे व तालू की खाल (चमड़ी) का रंग बदलना
आंखों से देखने में परेशानी होना
इनमें है अधिक खतरा
एचआईवी या एड्स
कैंसर
डायबिटीज
ऑर्गन ट्रांसप्लांट
व्हाइट ब्लड सेल का कम होना
लंबे समय तक स्टेरॉयड का इस्तेमाल
ड्रग्स का इस्तेमाल
पोषण की कमी
प्रीमैच्योर बर्थ

ब्लैक फंगस को रोकने के लिए ये करें

1. धूल-मिट्टी वाली जगह पर जानें से बचें व मास्क का प्रयोग करें
2. गंदे व संक्रमित पानी के संपर्क में आने से बचें
3. इम्यून सिस्टम को मजबूत करने वाली चीजें खाएं
4. योग व एक्सरसाइज करें

इन बातों का रखें ध्यान

इस दौरान बिना चिकित्सक की सलाह स्टेरॉयड ना ले।
शूगर के पेसेंट शूगर की नियमित जांच कराए।
खासकर बिना चिकित्सक की सलाह किसी प्रकार की दवा न ले।
विशेष - मास्क का नियमित सेवन के साथ उसको बदलते रहे।

चिकित्सकों को मिल रही बधाइयां

महामारी घोषित करने के बाद सवाई मानसिंह अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा इससे निपटने के लिए विशेष रणनीति बनाकर किए जा रहे ऑपरेशन पर राजस्थान सहित दुनियाभर से सोशल मीडिया के जरिये शुभकामनाएं मिल रही है। सोशल मीडिया पर चिकित्सकों के इस जज्बे को सैल्यूट किया है।

सम्पादकीय

जरूरी युद्ध विराम

पिछले ग्यारह दिनों से चल रहे जिस फलस्तीन-इजरायल युद्ध ने सारी दुनिया को सांसत में डाल रखा था, उसमें आखिरकार युद्धविराम की घोषणा हो गई। वर्ष 1967 के अरब-इजरायल युद्ध के बाद यह फलस्तीन और इजरायल के बीच सबसे बड़ा संघर्ष था। अब तक के सभी अरब-इजरायल युद्धों की तरह यह भी निर्णायक नहीं हुआ और दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया। हमास का कहना है, उसने इजरायली हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया और इजरायल ने कहा कि उसने हमास के सैकड़ों लड़ाकों को मार गिराया। जीत के दावे अपनी जगह, लेकिन वास्तविकता यही है कि इस लड़ाई के असली शिकार भी दोनों पक्षों के आम नागरिक ही हैं। हमास का कहना है कि इस जंग में 253 फलस्तीनी मारे गए, जिनमें 65 बच्चे हैं। करीब 2,000 नागरिक इस लड़ाई में जख्मी हुए हैं। उधर इजरायल के 12 नागरिक मारे गए हैं, जिनमें एक सैनिक और एक बच्चा है। फलस्तीन में इस युद्ध से जो इमारतें गिरी हैं और बुनियादी सुविधाओं को नुकसान पहुंचा है, वह फलस्तीनियों के पहले से ही कठिन जीवन को और कठिन बना देगा। दूसरी ओर, इजरायल को पता चल गया है कि तमाम सैनिक वर्चस्व के बावजूद हमास पर निर्णायक जीत निकट भविष्य में संभव नहीं है और तमाम आयरन डोम सुरक्षा के उसके नागरिक पूरी तरह सुरक्षित नहीं हैं। यह बहुत स्पष्ट है कि फलस्तीन-इजरायल विवाद का कोई निर्णायक हल युद्ध से नहीं निकल सकता। आखिरकार यह विवाद भी आपसी बातचीत और समझदारी से ही सुलझना है, लेकिन अभी दोनों पक्षों के पास ऐसा प्रभावी नेतृत्व नहीं है, जो शांति के लिए पहल कर सके, न अंतरराष्ट्रीय बिरादरी में ऐसा कोई तटस्थ मध्यस्थ है, जिसकी ऐसी विश्वसनीयता हो। ऐसे विवादों में जो अक्सर होता है, वही यहां भी हुआ है कि दोनों तरफ के अतिवादियों ने मध्यमार्गी और शांतिप्रिय शक्तियों को हाशिये पर धकेल दिया है। लंबी खिंचती शांति-प्रक्रिया में धीरे-धीरे मध्यमार्गी फलस्तीनी मुक्ति संगठन और फलस्तीन के अधिकृत नेता महमूद अब्बास को अप्रासंगिक बना दिया है। उग्रवादी संगठन हमास के हाथों में असली ताकत है। हमास को इजरायल, अमेरिका और अन्य कई देश आतंकी संगठन मानते हैं। दूसरी तरफ, इजरायल में कट्टर दक्षिणपंथी ताकतें राजनीति में वर्चस्व बनाए हुए हैं। अगर इस लड़ाई से वास्तव में किसी को फायदा हुआ है, तो वह इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हैं। अगर यह लड़ाई न होती, तो नेतन्याहू के हाथ से गद्दी खिसक जाना तय था, क्योंकि वह बहुमत खो चुके थे। अब वह अगले चुनाव तक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। वैसे भी, पिछले लंबे दौर से नेतन्याहू राजनीतिक उथल-पुथल व भ्रष्टाचार के आरोपों से निपटने के लिए उग्र राष्ट्रवाद का सहारा ले रहे हैं। यह जंग अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की पहली अंतरराष्ट्रीय परीक्षा थी और वह भी इसमें उत्तीर्ण नहीं हुए। उनका ढुलमुल रवैया और जंग को रोक पाने में उनकी विफलता से अमेरिका के प्रगतिशील और उदार तबके में उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है। अगर मध्य-पूर्व में कोई शांति की पहल कर सकता है, तो वह अमेरिका ही है और इसके लिए उसे अपने फौरी स्वार्थों को कुछ देर किनारे करना पड़ेगा। देखना यह है कि कौन अमेरिकी राष्ट्रपति यह हिम्मत दिखा पाता है।

कास्टिंग काउच

महिलाओं को महज़ इस्तेमाल करने वाली चीज़ अनपढ़, गंवार और निम्न सोच वाले दरिंदे ही नहीं समझते। बल्कि पढ़े लिखे और समझदार लोगों की मानसिकता भी ऐसी ही होती है। मौके का फ़ायदा उठाने में माहिर लोग काम दिलवाने के बदले महिलाओं के सामने अनैतिक मांग रखने से बिलकुल नहीं हिचकिचाते। हर क्षेत्र में ऐसे लोग मिल जाते है। खासकर फ़िल्म उद्योग में हिरोइन बनने के लिए जो नई लड़कियां आती है उनको इस शर्मनाक परिस्थिति का सामना अचूक करना पड़ता है। कई हीरोइनें ये बात सरेआम कुबूल कर चुकी है कि हाँ फलाने,फलाने डायरेक्टर, प्रोड्यूसर या हीरो ने मुझसे काम के बदले शारीरिक संबंध बनाने की मांग रखी थी। **इस अनैतिक मांग को नाम दिया गया है-卐कास्टिंग काउच卐** काम के बदले अनैतिक और गैर कानूनी मांग को कास्टिंग काउच कहते हैं। जिसमें कोई उम्मीदवार या किसी जूनियर से किसी व्यवसाय या क्षेत्र में प्रवेश करने या काम दिलाने के बदले सेक्स की मांग की जाती है। शब्द कास्टिंग काउच फिल्म उद्योग से उत्पन्न हुआ। बॉलीवुड में

कास्टिंग काउच एक ऐसा काला सच है जो नए टैलेंट को बदनामी के रास्ते ले जाता है कई बार कोई जरूरतमंद ऐसी मांग के आगे झुककर पतन का रास्ता अपना भी लेता है। या फ़िल्म जगत की चकाचौंध से आकर्षित होते किसी भी किंमत पर काम पाने की हसरत में भी ऐसी मांग के आगे खुद को तबाह कर लेती है। कास्टिंग काउच का सच कुछ लोग दबी जुबान से मानते हैं तो कुछ झुठला भी देते हैं, वहीं कुछ इसे खुलेआम स्वीकार भी करते हैं। हालांकि, इस सच ने कई ऐसे स्टार्स को प्रभावित किया जो आज बॉलीवुड में जानामाना चेहरा है। बॉलीवुड में काम देने के बदले में कलाकारों के यौन शोषण यानी कास्टिंग काउच को अक्सर फिल्म इंडस्ट्री के लोगों द्वारा नकारा जाता रहा है। लेकिन पिछले साल हॉलीवुड से शुरू हुई #मीटू मुहिम के बाद टिस्का चोपड़ा, रणवीर सिंह, इलियाना डीक्रूज़, ऋचा चड्ढा जैसे कई अभिनेता-अभिनेत्री खुलकर सामने आये। ऋचा कहा था कि बॉलीवुड में यौन उत्पीड़न होता है, इस बात को स्वीकार करना साहस की बात है लेकिन ऐसा करने वालों का नाम नहीं लिया जा सकता क्योंकि उसके बाद काम मिलने की गारंटी नहीं होती। उन्होंने यह भी माना कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह की व्यवस्था नहीं है जिससे कि पीड़ितों को सुरक्षा मिले। जब ऋचा से ये पूछा गया कि वे किसी का नाम क्यों नहीं ले रहीं, तब उन्होंने साफ़ कहा कि अगर उन्हें ज़िंदगी भर काम और सुरक्षा मिले तब वे यौन उत्पीड़न करने वालों के नाम का खुलासा कर सकती हैं। कास्टिंग काउच के बारे में यह गलतफहमी है कि यह केवल बॉलीवुड में ही प्रचलित है बल्कि राजनीति, पत्रकारिता, सरकारी विभागों व अन्य क्षेत्रों में भी यह प्रथा है। हर क्षेत्र में, हर महिला को इस घिनौनी मांग का सख्त विरोध करना चाहिए और ऐसी मांग करने वालों को समाज के सामने खुल्ला करके बेनकाब करना चाहिए। 21वीं सदी की दहलीज़ पर हम खड़े है कब तक ये मानसिकता को पालते रहेंगी मर्द ज़ात कि औरतें तो बस भोगने की वस्तु है हर छोटी बड़ी बात पर कपड़े उतरवा लो, और महिलाओं को भी अपने हुनर और बलबुते पर आगे बढ़ना चाहिए नांकि ऐसी मांग का सहर्ष स्वीकार करके खुद को अपनी ही नज़रों में गिरा लेना चाहिए।

(भावना ठाकर, बेंगुलुरु)#भावु

जीवन हुआ अंजोर,
बना जो आदमखोर।
मानवता के हो दुश्मन,
करे सब जो भाये मन,
बोले बोल, हो अनबन,
उठे देख, दर्द पोरे पोर।
जीवन हुआ अंजोर,
बना जो आदमखोर।
नीति - नियम,ग्रंथ सद,
कथा - गीता उपनिषद,
नहीं रामायण, होते हद,
हैं!अद्यभित प्रबुद्ध घोर।

जीवन हुआ अंजोर,
बना जो आदमखोर।
ज्योतिष के ढोंगी बाबा,
जा बैठे हैं कासी काबा,
फोरते रहें कब से लाबा,
भरते घर खुद, बनें चोर।
जीवन हुआ अंजोर,
बना जो आदमखोर।
व्यापार का पलटवार,
झेलते कब से अपार!
मौका पे निकाले खार,
है रात होगा कब भोर?

जीवन हुआ अंजोर,
बना जो आदमखोर।
राजनीति की, मत पूछो,
पाते अवसर जिसे कूचों,
हासिल जीत, फिर लूटो,
थमेगा गूँज रहा जो शोर!
जीवन हुआ अंजोर,
बना जो आदमखोर।
भगवान को बना पत्थर,
इंसान को बनाया प्रस्तर,
फिर तो क्या! गिरा स्तर,
बेदिमाग, दिया झकझोर।

जीवन हुआ अंजोर,
बना जो आदमखोर।
है ज्यादा कौन, कमतर,
ना है ! ना रहा समतल,
तुल गए तो नापा भूतल,
ताक रहे अब किस ओर?
जीवन हुआ अंजोर,
बना जो आदमखोर।

विनसा विवेका
(जमशेदपुर, झारखंड)

पिया की राह (दोहा)

खिड़की देखे राह को, लगी पिया की आस।
जल्दी आओ साजना, मन में हैं विश्वास।।
करते मीठी बात जब, बैठे पक्षी डाल।
मन में लगता आग है, दिल होता बेहाल।।
करती तुझसे प्रेम मैं, मिले कभी नहिँ चैन।
हर पल आती याद है, भर जाती है नैन।।
वादा रखना याद तुम, आना पूनम रात।
चाँद सितारे संग में, पिया करेंगे बात।।
लम्बी होती रात ये, अब बीता नहिँ जाय।
जल्दी आओ साजना, मन मेरा घबराय।।

प्रिया देवांगन प्रियू
पंडरिया
जिला - कबीरधाम
छत्तीसगढ़

टूट गए ख्वाब सब

जिंदगी के अस्त-व्यस्त, हो गए हिसाब सब
जितने भी हसीन थे वे टूट गए ख्वाब सब
क्यों तनाव का ये रूख, मेरे ही ओर हो गया
खुशियों की जगह क्यों गमों का ये शोर हो गया
क्यों नसीब भी मेरे खिलाफ ही खड़ा हुआ
भाग्य क्यों है रूठा ये क्यों कठोर हो गया
सवालों से घिरे हैं हम, मिलते नहीं जवाब सब
जितने भी हसीन थे वे टूट गए ख्वाब सब
अर्से से एक पुकारती, रंगीन राह थी हमें
कल तलक निहारती कोई निगाह थी हमें
जिसकी हमें तलाश थी वो ही नहीं है मिल सका
दिल में मेरे तो सदा बस प्यार की ही चाह थी
अच्छा -अच्छा मानते ही हो गया खराब सब
जितने भी हसीन थे वे टूट गए ख्वाब सब

विक्रम कुमार, मनोरा, वैशाली

देश के स्वास्थ्य ढांचे का पुनर्गठन समय की मांग
देश को मजबूत स्वास्थ्य ढांचे की आवश्यकता

आज देश में कोविड-19 संक्रमण बड़ी तेजी के साथ आबादी को अपनी चपेट में ले रहा है।? आज दुनिया में सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या भारत में है। पिछले एक महीने में अदृश्य विषाणु ने जिस तरह से कोहराम मचाकर रखा है, इससे हमारे देश की लचर स्वास्थ्य सेवा? और इसका खस्ताहाल सामने आ गया है। आज देश में अफरा-तफरी का वातावरण है। यह अफ़रा-तफ़री स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर हैं। आज अस्पतालों में कोई बैड के लिए भाग-दौड़ कर रहा है, तो कोई ऑक्सीजन के लिए।? यदि किसी को ऑक्सीजन मयस्सर हो रही है, तो वह कंधे पर उठाए घुम रहा है, क्योंकि अस्पताल पूरी तरह भर चुके हैं।? आज हालात यह है कि श्मसान घाट पर शवों को लाइन में लगाया जा रहा हैं, अंतिम संस्कार के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ रही है।? कहीं पर हालात यह सामने आये है कि शवों को जलाने के लिए लकड़ियों का टोटा पड़ रहा है।? इसी चलते गंगा नदी में लाशों का अंबार देखने को मिला है। कुछ दिन पहले एक वाकया सामने आया कि पुलिस कर्मियों ने लाश को जलाने के लिए पेट्रोल और टायरों का सहारा लिया। ऐसे में यह कहा जा सकता है कि देश में हालात बिलकुल भी सामान्य नहीं है। आज सरकारी आंकड़ों के मुताबिक हर दिन चार हजार से अधिक मौतें हो रही हैं। असल में यह आंकड़ा कितना है, इसके बारे कुछ कहा नहीं जा सकता। पिछले वर्ष कोरोना ने दस्तक जरूर दी थी, मगर कोविड-19 संक्रमण सिर्फ शहरों में फैला और ग्रामीण परिवेश इससे बचा रहा। लेकिन अबकी बार ऐसा नहीं हुआ, इस बार कोरोना वायरस शहरी क्षेत्रों में विकराल रूप धारण करने के साथ-साथ ग्रामीण आबादी में प्रवेश कर गया। ग्रामीण धरातल पर पांव पसारते वायरस ने स्वास्थ्य ढांचे की पोल खोल दी। बीमारू स्वास्थ्य सुविधाओं और चौपट व्यवस्था ने सरकारों की आंखें खोली हैं। कोरोना की सुनामी के आगे मजबूत स्वास्थ्य ढांचे के नामी दावे धराशायी हो गये। आंकड़ों के मुताबिक स्वास्थ्य विभाग में निजी क्षेत्र का दायरा बीते कुछ वर्षों में बढ़ा है।? दावा किया जाता रहा कि तमाम जरूरी सुविधाओं और आधुनिक उपकरणों से लैस निजी अस्पतालों की तरफ लोगों का झुकाव बढ़ा है, लेकिन कोरोना ने निजी अस्पतालों की सीमाओं के पार जाकर कोहराम मचाया है। ऐसे में सरकारी और निजी स्वास्थ्य विभागीय सेवाएं चरमरा गईं।आज दुनिया में स्वास्थ्य सेवाओं का ढांचा कैसा हो, यह आबादी और जरूरतों को देखकर तय किया जाता है। आज दुनिया के कई देशों का स्वास्थ्य ढांचा बेहतरीन है। मजबूत स्वास्थ्य ढांचा होने की मुख्य वजह अपनी जीडीपी का 2 से 5 प्रतिशत तक स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च किया जाना है। आज भारत में स्वास्थ्य सेवाएं लड़खड़ा रही है, ऐसे में जरूरत इस बात की है कि सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 2 से 5 फीसदी के मध्य स्वास्थ्य सेवाओं पर?? खर्च किया जाए। आज हमारे देश में निजी स्वास्थ्य क्षेत्र बड़ी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यहां अधिकाश स्वास्थ्य खर्च बीमा से होने के बजाय रोगियों और उनके परिवारों द्वारा ?उनकी जेब से वहन किया जाता है। इसके चलते स्वास्थ्य खर्चों पर बहुत ही असामान्य व्यय करना पड़ता है।? इसका परिणाम यह होता है कि निम्न और मध्यम वर्ग बिना स्वास्थ्य सेवाओं के लाभ के जीवन बसर करता है, परिणाम स्वरूप जान को खतरे में डाल देता है। ऐसे में इस सिस्टम में बदलाव का किया जाना भी जरूरी है। क्योंकि पंक्ति में सबसे पीछे के व्यक्ति को भी स्वास्थ्य का लाभ मिल सके। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, निजी चिकित्सा क्षेत्र शहरी क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों के 70 फीसदी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों के 63 फीसदी के लिए स्वास्थ्य देखभाल के प्राथमिक स्रोत है। विभिन्न राज्यों के बीच सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य देखभाल में काफी अंतर हैं। कई कारणों से निजी स्वास्थ्य क्षेत्र पर निर्भरता बढ़ी हैं, जिनमें से एक प्रमुख कारण सार्वजनिक क्षेत्र में देखभाल की खराब गुणवत्ता का होना है। ऐसे में बड़ी आबादी की निर्भरता निजी अस्पतालो पर मजबूरन है। निजी अस्पतालों में बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती है। गरीब और मध्यम वर्ग सरकारी अस्पतालों में सुविधा के अभाव में निजी अस्पतालों की ओर रुख करते हैं। यह देखा गया है कि निजी अस्पताल मनमाना पैसा वसूली करते हैं। ऐसे में सरकारी अस्पतालों की गुणवत्ता में सुधार बेहद जरूरी हो गया है।? सरकारी अस्पतालों के आधारभूत ढांचे में बदलाव निहायत जरूरी है। आंकड़े बताते हैं कि डॉक्टरों की आबादी का केवल 2 फीसदी ग्रामीण क्षेत्रों में रहता हैं, जहां भारत की 68 फीसदी आबादी निवास करती है। इन आंकड़ों में सुधार की सख्त दरकार है। इस बार कोरोना वायरस के गांवों में फैलने के कारण हालात नियंत्रण से बाहर हो गये। इसके पीछे बड़ी वजह स्वास्थ्य सुविधाओं का संगठित नहीं होना भी है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों से पता चला है कि भारत की शहरी आबादी के लिए उपलब्ध शिशु स्वास्थ्य सेवाएं बहुत अच्छी स्थिति में नहीं हैं। इसमें भी सुधार की गुंजाइश बनी हुई है। आज देश भर में कोरोना ने जमकर कहर बरपाया है।? कोविड-19 महामारी से उपजी परिस्थितियों से सबक लेते हुए भविष्य के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए योजना बनाने की जरूरत है। आज कोविड-19 महामारी को नियंत्रित करने में एक भी राज्य ने पूर्णतया सफलता नहीं पाई है। जहां कहीं कोरोना संक्रमण नियंत्रण में आया है, वहां लॉकडाउन और बंदियों का सहारा लिया गया है। ऐसे में न केवल केन्द्र बल्कि राज्यों की सरकारों को गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भविष्य में महामारी से निपटने में क्या कारगर उपाय हो सकते हैं।? आज हमारे पास तकनीकी शिक्षा की कोई कमी नहीं है, बस जरूरत इस बात की है कि? यथाशीघ्र स्वास्थ्य ढांचे को डिजीटाइजेशन किया जाये।? हमेशा से आवाज उठती रही है कि स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूती के लिए विशेष प्रावधान किये जाने चाहिए। अब वह समय आ गया है, जहां सरकारी अस्पतालों के इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाया जाये, इसके लिए जीडीपी के कुल खर्च में स्वास्थ्य पर किये जाने वाले खर्चे को बढ़ाना होगा। आज ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों की उपलब्धता नहीं है। ऐसे में आवश्यकता के अनुरूप चिकित्सक और मेडिकल स्टाफ की तैनाती होनी चाहिए। इसके साथ-साथ मेडिकल शिक्षा को भी बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इसके लिए मेडिकल कॉलेजों की संख्या में इजाफा करने की जरूरत है।? हमारे देश का सबसे बड़ा दुर्भाग्य है कि यहां आपदा या महामारी आने के बाद सतर्कता देखने को मिलती हैं। यदि समय रहते प्रयास किये जाये, तो देश को बड़ी क्षति से बचाया जा सकता है।

अली खान
(स्वतंत्र लेखक एवं स्तंभकार)
जैसलमेर, राजस्थान

मृत्यु

मृत्यु क्षण-क्षण घूम रही
दिखाकर खौफ़
न जाने क्यों ?
इस धरा को चूम रही।
न जात देख रही है
न धर्म देख रही है,
बस हर किसी को
अपनी क्रूर नज़रों से
चूर कर रही है।
किसी बिगड़े हुए
आशिक की तरह,
न किसी की सुनती है
न किसी की मानती हैं।
अपनी ही निगाहों से
अपनी ही मर्जी से
हर किसी को घूर रही हैं।

राजीव डोगरा विमल
युवा कवि एवं लेखक
(भाषा अध्यापक)
गवर्नमेंट हाई स्कूल ठाकुरद्वारा
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश

हे परमेश्वर एक शिकायत

हे परमेश्वर अब किससे करू शिकायत
जब शिकायत हो आपके खिलाफ
कहते हैं आप न्यायी हो फिर आपके
अन्याय का अब जाकर कहाँ करू गुहार।।
न्याय दंड है आपके हाथों में
इसे चलाना आपका काम
हम मानव तो किट-पतंग बस
हमें मशलना आपका काम ।।
क्या लेना हम मानव के हृदय पीर से
जब बिछड़न का लगता है हृदय पर शूल
मन के अंदर भाव बबंडर
उड़ उड़ कर जब पड़ते धूल ।।
दो कटु वचन फिर मुख पर आते
और आते फिर वेदना का तीर
प्रश्न खड़ा फिर मन मे होता
आपके दिए इस हृदय पीर ।।
क्या केवल है देकर भेजा
हम मानव को अपनो के रिस्तो का डोर
अपने पास तो थोड़ी रखते

रिस्ते और मोह का डोर।।
गर मोह पोटली साथ मे रखते
सच मानो बिलखते आप
अपनों के जाने का गम सायद
बिलख बिलख कर काटते आप ।।

श्री कमलेश झा
नगर पारा भागलपुर

फाइटर पायलट अभिनव की शहादत पर

आज फिर
एक अभिनव
शहीद हो गया ।
एक मां का लाल
फिर तिरंगे के कफन
में लिपट कर आया
घर के आंगन में,
लाया गया,
21 बंदूकों तथा
तोप की सलामी
के साथ,
आना चाहता था ,
बहुत पहले
ना आ पाया,
करोना संक्रमण के
क्रूर पंजों के चलते
अपनी जन्मस्थली बागपत,

युवा लाडला इकलौता पुत्र,
मिलना चाहता था
अपनी बहन से,
अपने तात से,
उसको 9 महीने अपने कोख में रखने वाली
मां से,
सात फेरे लिए हुए
उसके साथ आई
अपनी अभागी अर्धांगिनी से,
उसकी इच्छा अधूरी रह गई ,
अधूरा रह गया,
युद्ध में पराक्रम और शौर्य
दिखाने का
उसका अपना सपना।
लील लिया उसको,
काल के गाल ने,
कालातीत मिग-21,
की खामियों ने,
अगर वह नहीं उड़ाता,
बीमार-21,
तो हमारे बीच होता,
हंसता खेलता युवा,
लड़ाकू पायलट अभिनव,
अभिनव तुम्हें सलाम है,
इस देश का इस माटी का,
अलविदा अनुभव,
अफसोस है हम तुम्हें बचा न पाए।

अभिनंदन अनुभव,
हमें तुम पर गर्व है।
संजीव ठाकुर, अंतरराष्ट्रीय कवि, रायपुर
छत्तीसगढ़, 9009 415 415

प्रभुत्व का दीमक चाट रहा समाज को

आज कहने को स्त्री और पुरुष दोनों बराबर है,
मगर क्या यह हकीकत में ऐसा है?
क्या स्त्री को हर क्षेत्र में बराबरी का अधिकार है?

भ्रुण जांच कराया जाता है, और अगर बेटी है तो भ्रुणहत्या, और अगर गलती से जन्म ले भी लिया तो उसके बाद कभी पढ़ाई में अड़चन तो कभी नौकरी या व्यवसाय के क्षेत्र में, तो कभी दहेज ना दे पाने की स्थिति में शादी में अड़चन, तो कहीं प्रेम विवाह में अड़चनें आना, कहीं बाल विवाह करना, कहीं विवाह के नाम पर लड़कियों की खरीद-फरोख्त करना, अगर शादी अच्छे से हो गई तो बाद में बहु पर अत्याचार, कभी अगर मां नहीं बन सकी तो उस पर अत्याचार, कहीं पैतृक संपत्ति में कानून पास होने के बावजूद भी अधिकार का ना मिलना। विवाह एक पवित्र बंधन है, जिसमें दो विपरीत चरित्र के लोग मिलते हैं तो उनमें प्रेम का रिश्ता पनपता है। जीवन के हर पहलू में दोनों का बराबर का प्रतिभाग होना आवश्यक है, लेकिन वहां आधिपत्य केवल पुरुष का, हर फैसले का हक पुरुष का, यहां तक कि अगर किसी वजह से पति-पत्नी का रिश्ता सुचारू रूप से नहीं चल पाता और नौबत तलाक तक आ जाती है तो भी तलाक का हक पुरुष का , स्त्री हक से तलाक नहीं ले सकती, हमारे समाज में जहां लड़कियों में आत्मविश्वास ही नहीं होता, वहां वो हर रिश्ते में दबी-दबी रहती है, और उनके सम्मान को कुचल दिया जाता है। आज के युग में हम कितनी भी महिला सशक्तिकरण की बातें कर लें, कितना भी कह लें कि आज की स्त्री पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलती है, मगर ये सब कहने की बातें हैं, मात्र ढोंग हैं, माना कुछ हद तक महिलाओं ने अवश्य शिक्षा एवं नौकरियों के क्षेत्र में तरक्की की है, मगर उनकी गिनती बहुत कम है। सत्य ये है कि महिलाएं दबे, कुचले रूप में कार्य कर रही हैं। उनकी आवाज़ और उनके अस्तित्व में निखार नहीं आया । कुछ बालिकाएं ऐसी हैं जिनकी पढ़ाई छुड़वा दी जाती है, उन्हें आगे बढ़ने का मौका नहीं दिया जाता, जिस कारण वो पिछड़ी, दबी, कम आत्मविश्वासी और निर्बल बन जाती हैं। पुरुष प्रधान देश में पुरुष का ही सर्वस्व है, इसी कारण बस पुरुष की ही इज्ज़त है, अधिकतर सरपंच, मुखिया इत्यादि पुरुष है, अर्थात सरकार भी उन्हीं की, लाठी भी उन्हीं की, भैंस भी उन्हीं की। धार्मिक ग्रंथों में भी पति को परमेश्वर एवं देवता का स्थान दिया गया है। पुरुष प्रबल और महिलाओं को निर्बल बना कर समाज कभी तरक्की नहीं कर सकता, प्रभुत्व की दीमक समाज की नींव को खोखला कर जाएगी, ऐसे में देश का विकास असम्भव है। सभी को मिलकर ऐसे कदम उठाने होंगे, जिससे महिलाओं को बराबरी का हक मिले, चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो, नौकरी या घर में। इस तरह उनमें प्राकृतिक रूप से आत्मसम्मान उपजेगा, और वो जीवन में आने वाली मुश्किल को आसानी से पार करेंगी।

प्रेम बजाज

मीरा ने सोशल मीडिया पर शेयर की सेल्फी, व्हाइट ड्रेस में दिखा ग्लैमरस लुक

एक्टर शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत कपूर बॉलीवुड की लाइम लाइट से भले ही काफी दूर हो। लेकिन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। मीरा अक्सर सोशल मीडिया पर अपने बच्चों के साथ तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

अब उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर किया है, जिसमें वो बेहद ग्लैमरस दिख रही हैं। इस तस्वीर में वो सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। इस फोटो में वो व्हाइट कलर के कुर्ते में मुस्कुराती दिख रही हैं। फोटो में उनके इयररिंग्स उनके लुक को और भी आकर्षित बना रहे हैं। इस सेल्फी को इंस्टाग्राम पर शेयर कर मीरा राजपूत ने लिखा, ह्यअब क्या मैंने आपको आश्चर्य किया?

मीरा राजपूत कपूर की इस फोटो को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। फोटो को अभी सोशल मीडिया पर आए कुछ ही घंटे हुए हैं लेकिन इसको कई हजार लोग लाइक कर चुके हैं।

हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टा. स्टोरी पर एक फोटो शेयर किया था। फोटो को शेयर कर उन्होंने बताया कि उनके बच्चे मिशा और जैन ने उनके लिए सलाद बनाया है। फोटो में एक बाउल में कुछ कटे हुए खीरे और टमाटर दिख रहे हैं। इस फोटो को इंस्टा. स्टोरी पर शेयर कर मीरा राजपूत कपूर ने लिखा, ह्यमेरे बच्चों ने मुझे सलाद बनाया और खिलाया। मैंने इसके साथ कुछ अच्छा ही किया होगा। उसके बाद उन्होंने एक इमोजी भी शेयर की है।

बात अगर शाहिद कपूर के वर्कफ्रंट की करें तो वो गौतम तिन्ननुरी के निर्देशन में बनी फिल्म जर्सी में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म तेलुगु मूवी जर्सी का हिंदी रिमेक है। इस फिल्म में शाहिद कपूर एक क्रिकेटर का किरदार निभा रहे हैं। जो भारतीय टीम में खेलने के सपने को लेकर क्रिकेट खेलना शुरू करता है। फिल्म में शाहिद कपूर के अलावा मृणाल ठाकुर और पंकज कपूर भी अहम किरदार निभा रहे हैं। ये फिल्म इस साल दीवाली पर रिलीज की जा सकती है।

'जन्नत' फेम सोनल चौहान ने गरीबों को बांटा खाना, जुहू में शनि मंदिर के बाहर हुई स्पॉट

कोरोना वायरस की दूसरी लहर देशभर में काफी घातक साबित हो रही है। पहली लहर के प्रभाव से कुछ राहत मिलने के बाद दूसरी लहर ने ताबड़तोड़ हमला किया। जिसका शिकार कई लोग बने, इसी का नतीजा रहा कि एक बार फिर से लॉकडाउन लगाया गया। लेकिन लॉकडाउन की वजह से कई लोगों का छिन गया और वो दाने- दाने को मोहताज हो गए। ऐसे में कई बॉलीवुड सितारे भी इन लोगों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। इन सेलेब्स में 'जन्नत' फेम अभिनेत्री सोनल चौहान का नाम भी जुड़ गया है।

अभिनेत्री सोनल चौहान हाल ही में मुंबई के जुहू में शनि मंदिर के बाहर स्पॉट हुईं। इस दौरान सोनल जरूरतमंदों की मदद करती हुई नजर आईं। सोनल का एक वीडियो सेलिब्रिटी जर्नलिस्ट विरल भायानी ने शेयर किया है। इस वीडियो में सोनल जरूरतमंदों को पानी की बॉटल और बिस्किट के पैकेट दे रही हैं। इस दौरान सोनल ने बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पानी और बिस्किट बांटे।

सोनल चौहान ने इस दौरान ग्रे रंग का कुर्ता और सफेद रंग की सलवार पहनी हुई थी। जिसमें वो बेहद खूबसूरत नजर आईं। इस दौरान सोनल ने बालों को खुला रखा और चेहरे पर मास्क भी लगाया हुआ था। वीडियो में देखा जा सकता है कि सोनल इन लोगों से बात भी कर रही थीं। सोनल की इस नेक कार्य के लिए काफी सराहना की जा रही है।

बता दें कि सोनल चौहान ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरूआत फिल्म जन्नत से की थी। उनकी यह फिल्म साल 2008 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म जन्नत को बॉक्स ऑफिस पर मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी। इस फिल्म के बाद सोनल चौहान ने बॉलीवुड की कई फिल्मों में काम किया।

हालांकि सोनल चौहान बॉलीवुड में अपना ज्यादा नाम नहीं कमा सकीं। इसके बाद उन्होंने साउथ फिल्मों की ओर रुख करने का फैसला किया। सोनल चौहान ने तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा की कई फिल्मों में काम किया है। वह आखिरी बार तेलुगु फिल्म रूलर में नजर आई थीं। सोनल चौहान की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी और फ्लॉप साबित हुई। वहीं सोनल कई म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ चुकी हैं।

यादें: सलमान नहीं, भाग्यश्री ने 'किस' करने से किया था इनकार

यह तो सभी जानते है कि सूरज बड़जात्या निर्देशित फिल्म मैंने प्यार किया से सलमान खान ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था। यह फिल्म भले ही लोगों को कुछ खास पसंद न आई हो, लेकिन इसके गाने आज भी लोगों के दिलों पर राज करते हैं। इस फिल्म के सभी गाने सलमान खान के लिए मशहूर सिंगर एसपी बालासुब्रमण्यम ने गाए थे और म्यूजिक दिया था जाने माने संगीतकार रामलक्ष्मण ने।

रामलक्ष्मण ने आज यानी शनिवार को दुनिया को अलविदा कह दिया। उन्होंने नागपुर में आखिरी सांस ली। फिलहाल, हम रामलक्ष्मण की बात इस स्टोरी में नहीं करने जा रहे हैं। हम आज बात करेंगे फिल्म मैंने प्यार किया से जुड़े उन किस्सों की जो कि आज भी सलमान खान के फैंस को खूब गुदगुदाते हैं। फिर वह सलमान खान का भाग्यश्री के साथ फिल्म में किसिंग सीन हो या फिर जीनत अमान की फिल्म को लेकर दी गई प्रतिक्रिया।

एक बात तो आप हमेशा सुनते आए होंगे कि सलमान खान बड़े पर्दे पर कभी भी किस सीन नहीं देते है। जब किस सीन की बात होती है तो फिल्म मैंने प्यार किया का भी जिक्र होता है। इस फिल्म में सलमान और भाग्यश्री के बीच एक किसिंग सीन है, जो कि शीशे की मदद से शूट हुआ है। इस सीन को लेकर अक्सर यह कहा जाता आया है कि सलमान खान ने ही फिल्म में भाग्यश्री को किस करने से इनकार कर दिया था। हालांकि, यह सच नहीं है।

एक फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने इस फिल्म से जुड़ी कुछ यादें शेयर की थीं। इस दौरान उन्होंने बताया था कि दरअसल, भाग्यश्री ने ही किसिंग सीन करने से इनकार कर दिया था। सलमान खान ने कहा था कि मुझे पता चला कि किसिंग सीन करना है। मैंने कहा कि सूरज बाबू मैं ये कैसे करूंगा, क्योंकि मैं तो बहुत असहज हूं इसमें। तब सूरज जी ने कहा कि तुम असहज हो और वह (भाग्यश्री) तो सीधा मना कर रही हैं करने से।

सलमान आगे बोले कि उन्होंने (सूरज) कहा कि स्मूच नहीं है, सिर्फ हल्का सा लिप किस है। और यह राजश्री फिल्म है, इसमें इतना थोड़ी न डालेंगे। तो मैंने कहा कि इतना ही है तो ओके। उन्होंने (भाग्यश्री) फिर मना कर दिया। कभी वह (सूरज) मेरे पास तो कभी भाग्यश्री के पास जा रहे थे। वह परेशान हो गए थे। तब उन्होंने फैसला किया कि बस बहुत हो गया और कहा कि जाओ कांच लेकर आओ, फिर वह किस सीन शूट हुआ।

शॉर्ट ड्रेस नहीं पहनेगी मेरी बीवी

इसके बाद सलमान ने भाग्यश्री के पति हिमालय का वो किस्सा शेयर किया, जब उन्होंने एक्ट्रेस को शॉर्ट ड्रेस पहनने से इनकार कर दिया था। सलमान खाने बोले कि जब यह किसिंग सीन वाला मामला खत्म हुआ तो फिर एक सीन शूट किया जाने लगा। भाग्यश्री को इसमें शॉर्ट ड्रेस पहननी थी। भाग्यश्री को उसमें कोई दिक्कत नहीं थी, लेकिन वह उस समय शादी करने जा रही थीं। तो उनके पति हिमालय सेट पर थे। उन्होंने सीधा मना कर दिया कि नहीं, कोई शॉर्ट ड्रेस नहीं। वह बोले कि मेरी बीवी शॉर्ट ड्रेस नहीं पहनेगी। हालांकि, किसी तरह फिर ये सीन शूट किया गया।

जीनत की फिल्म पर प्रतिक्रिया

इस दौरान सलमान ने यह भी बताया कि अपने जमाने की मशहूर अदाकार जीनत अमान की फिल्म मैंने प्यार किया को जानकर वह काफी हैरान हुए थे। सलमान ने बताया था कि जब वह फिल्म देखकर थियटर से बाहर आईं, तो उन्होंने कहा कि यह कोई रोमांटिक फिल्म है। जिसे सुनकर सलमान के चेहरे से हवाइयां उड़ गई थीं।

श्रेया घोषाल ने दिया बेटे को जन्म, खुशखबरी देते हुए हो गईं इमोशनल

सिंगर श्रेया घोषालमां बन गई हैं। आज दोपहर उन्होंने बेटे को जन्म दिया है। श्रेया ने खुद ये खुशखबरी फैंस को सोशल मीडिया के जरिए दी है। श्रेया ने पोस्ट शेयर किया है जिसमें लिखा है, ह्यभगवान ने आज दोपहर को एक अनमोल बेटे का आशीर्वाद दिया है। ये बहुत ही इमोशनल फीलिंग है। ऐसा पहले कभी महसूस नहीं हुआ। शिलादित्य और मैं हमारे परिवार के साथ इस खुशी को सेलिब्रेट कर रहे हैं। आप सभी के आशीर्वाद के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। श्रेया के इस पोस्ट पर फैंस के साथ-साथ कई सेलेब्स भी उन्हें बधाई दे रहे हैं और साथ ही उन्हें अपना और बेटे का ध्यान रखने को कह रहे हैं।

पहले ही रखा था बेबी का नाम

श्रेया ने जब अपनी प्रेग्नेंसी को अनाउंसमेंट की थी तब उन्होंने बेबी का नाम भी बता दिया था। श्रेया ने फोटो शेयर कर लिखा था, बेबी श्रेयादित्य अपने रास्ते पर है! शिलादित्य और मैं आप सभी को यह खुशखबरी बताने के लिए एक्साइटेड हैं। आपके प्यार और आशीर्वाद की आवश्यकता है क्योंकि हम अपने जीवन के नए चैप्टर के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं।

आपको बता दें श्रेया घोषाल ने शिलादित्य से 2015 में बंगाली रीति-रिवाज से शादी की थी। दोनों 10 सालों से रिलेशनशिप में थे। वह अपनी शादी में बेहद सुंदर लगी थीं। उन्होंने रेड कलर की बनारसी साड़ी पहनी थी। बता दें कि श्रेया अपने अभी तक के करियर में 200 से ज्यादा फिल्मों के लिए गाने गा चुकी हैं। उनके ज्यादातर गाने सुपरहिट रहे हैं।

श्रेया को बचपन से ही गाने का बहुत शौक था। उन्होंने चार साल की उम्र से ही संगीत सीखना शुरू कर दिया था। श्रेया ने एक नहीं दो बार सिंगिंग रियलिटी शो ह्यसारेगामापाह्न में भाग लिया है। इसी शो से उन्हें अपने करियर का पहला गाना मिला था। पहली बार जब श्रेया शो में आई थीं तब सोनू निगम इस शो को होस्ट करते थे और जज कल्याण जी थे। संगीतकार कल्याण के कहने पर श्रेया के माता-पिता उन्हें मुंबई ले आए थे। जहां उन्होंने 18 महीनों तक संगीत सीखा और उसके बाद दोबारा सारेगामापा में भाग लिया।

निक्की तंबोली का आ रहा है म्यूजिक वीडियो, इस सुपरहिट पंजाबी स्टार की धुनों पर करेंगी डांस

अपने फैंस को हुस्न का दीवाना बना चुकीं एक्ट्रेस निक्की तंबोली का नया म्यूजिक वीडियो रिलीज होने जा रहा है। इसमें वो पंजाबी पॉप स्टार के गाने पर थिरकती नजर आने वाली हैं।

इन दिनों केपटाउन में हैं जहां वो रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 11 की शूटिंग कर रही हैं। जहां उनके एलिमिनेट होने की न्यूज भी आई थी। निक्की ने खुद ही सिंगर आस्था गिल के एक पोस्ट पर कमेंट करके लिख दिया था जिसके बाद ये कयास लगाए जाने लगे कि कहीं ऐसा तो नहीं है कि निक्की को शो से एलिमिनेट कर दिया गया हो।

पिछले महीने आया था एक और म्यूजिक वीडियो

बिग बॉस 14 में आने के बाद निक्की की लोकप्रियता काफी बढ़ गई है। पिछले महीने भी उनका एक म्यूजिक वीडियो रिलीज हुआ था। जो मीत ब्रदर्स ने कंपोज किया था। निक्की ने इस वीडियो में भी अपने हुस्न का जादू फैंस पर चलाया।

टोनी कक्कड़ के साथ भी निक्की के एक गाने की चंडीगढ़ में शूट की खबरें आई थीं हो सकता है कि वो जल्दी ही उसमें भी आपको नजर आ जाएं। निक्की का करियर अब चल निकला है और वो इसे कैसे अब और ऊंचाइयों पर ले जाती हैं। इसकी न्यूज हम जल्दी-जल्दी आपके लिए लेकर आते रहेंगे।

भाई का हुआ था निधन

जब निक्की तंबोली खतरों के खिलाड़ी के लिए रवाना हो रही थीं, उससे बस दो-तीन दिन पहले ही उनके भाई का कोरोना से निधन हो गया था। जिससे वो काफी मायूस नजर आईं, निक्की इस गम को भुलाने के लिए केपटाउन रवाना हो गईं। इस बारे में कुछ लोगों ने जब उन्हें ट्रोल किया तो निक्की ने उसका पोस्ट लिखकर उन्हें जवाब भी दिया था। निक्की तंबोली ने बिग बॉस 14 में हिस्सा लिया था और वो इस शो में आखिरी दौर तक जा पहुंची थीं। निक्की ने 6 लाख रुपए लेकर बिग बॉस के घर को अलविदा कह दिया था। लेकिन जितने भी दिन निक्की घर में रहीं उन्होंने शो को इंट्रस्टिंग बनाए रखा। निक्की महाराष्ट्र के औरंगाबाद में पैदा हुईं और बतौर मॉडल उन्होंने अपना करियर शुरू किया था।

कौन हैं जस जेलदार?

जस जेलदार एक हिट पंजाबी सिंगर हैं। जिनके पंजाबी में कई गाने लोगों की जुबान पर रहते हैं। जस ने आयुष्मान खुराना की 2019 में आई फिल्म ड्रीम गर्ल में गट-गट करके नाम का म्यूजिक वीडियो किया था। जो काफी हिट हो गया था। पिछले करीब एक दशक से जस अपने म्यूजिक के जरिए पंजाब में हिट गाने दे रहे हैं। उनका पंजाबी गाना डॉलर आज भी पंजाब में बसे लोगों के दिलों में बसता है।

इंदर दोसांझ का नया गाना फोन हुआ रिलीज

पंजाबी गानों ने इन दिनों धूम मचाई हुई है। जहां अब इस कड़ी में एक नया गाना रिलीज हुआ है जो सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है। जी हां, पंजाबी सिंगर इंदर दोसांझ का नया गाना फोनरिलीज होने के बाद से ही चर्चा में बना हुआ है। यूट्यूब पर इस गाने को खूब प्यार मिल रहा है। जहां इंदर भी इस बात से बेहद खुश हैं। सिंगर इंदर के गाने को यूट्यूब पर अब तक 1 लाख 85 हजार से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। जहां साढ़े चार हजार से ज्यादा लोगों ने इस गाने को लाइक कर दिया है। ये गाना इंदर के लिए बेहद खास है क्योंकि उन्होंने इस गाने को खुद लिखा और गाया भी है।

इंदर दोसांझ ने हाल ही में ह्य९ भारतवर्ष के साथ अपनी खास बातचीत में इस गाने को लेकर कई सारी बातें बताई हैं। उन्होंने हमें बताया कि उन्हें गाने का शौक बचपन से है। लेकिन उनके घर में कोई गाना नहीं गाता है। जहां उनके पिता का खुद का व्यवसाय है, उन्होंने अपनी बातों को आगे बढ़ाते हुए बताया कि इन दिनों वो कई बड़े सिंगर्स को सुनते हैं, लेकिन उन्हें अपने जीवन में एक बार हनी सिंह के साथ काम जरूर करना है।

अपने गाने के बारे में बात करते हुए इंदर ने बताया कि उन्होंने इस गाने को अपने दोस्तों की जिंदगी को देखते हुए लिखा है। वो कहते हैं इन दिनों हर लड़की की शिकायत है कि उनके बॉयफ्रेंड उन्हें टाइम नहीं देते और और उनके फोन भी नहीं उठाते, ये गाना भी यही कहता है, और लड़की कहती है कि मुझे तुम पर शक है कि तुम किसी और से भी बातें करते हो

डिजिटल प्लेटफार्म ने मेरे लिए सब बदल दिया: संजय कपूर

एंथोलाजी फिल्म 'लस्ट स्टोरीज हा के बाद अभिनेता संजय कपूर डिजिटल प्लेटफार्म पर काफी सक्रिय है। उनकी सुपरनेचुरल क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'द लास्ट आवर अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो गई है। उसमें उन्होंने पहली बार पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है। उसके बाद वह माधुरी दीक्षित के साथ 'फाइंडिंग अनामिका वेब सीरीज में नजर आएंगे। संजय से बातचीत के अंश:

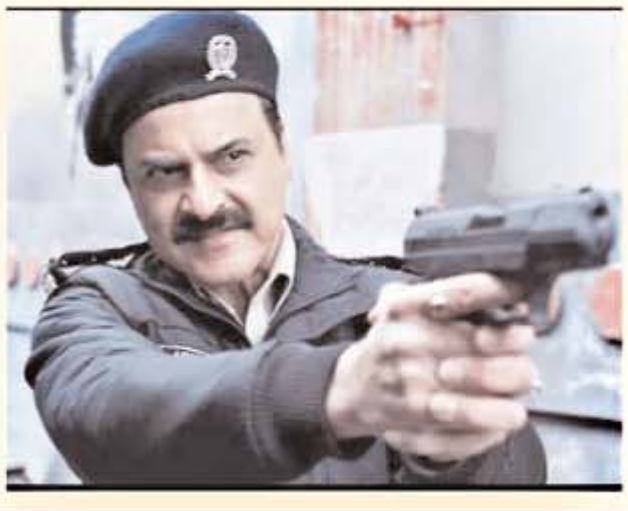

सवाल : इस कठिन दौर में आपने खुद को कैसे सकारात्मक रखा?

जवाब : मैं बहुत पाजिटिव पर्सन हूं और सबको यही कहना चाहूंगा कि यह टफ टाइम है। हमें केयरफुल और जिम्मेदार बनना होगा। खुद को सुरक्षित रखना होगा। यह दौरभी गुजर जाएगा। इस बात को मैंने जिंदगी का मोटो बनाया है।

सवाल : इस दौर ने कुछ सिखाया भी...

जवाब : मैंने पिछले साल लॉकडाउन के दौरान घर पर 'द मॉन गेम' को शूट किया था। हर दिन हम कुछ सीखते हैं। चाहें मौजूदा दौर हो या कोई और परिस्थिति। अब एकदूसरे की मदद और रिश्तों की अहमियत को लोग महसूस कर रहे हैं।

सवाल : 'लस्ट स्टोरीज' के बाद आप डिजिटल पर काफी सक्रिय हैं...

जवाब : हमारी फिल्म इंडस्ट्री में हर एक्टर एक फेज से गुजरता है, इसे ट्रांजीशन फेस (बदलाव का दौर) कहते हैं। इस फेज में यह होता है कि आप उस उम्र में नहीं रहते कि आप यंग रोमांटिक रोल करें या मेन एक्शन रोल करें। आपकी उम्र इतनी होती है कि आप बहुत अहम किरदार निभा पाएं। पांच साल पहले जब डिजिटल स्पेस में नहीं आया था तब मेरे पास कुछ भी दिलचस्प नहीं आ रहा था जिसका मैं हिस्सा बनना चाहता। कुछ एक्साइटिंग न मिलने पर मैंने प्रोडक्शन में जाने का फैसला किया। मैंने फिल्म प्रोड्यूस की। हां, डिजिटल ने मेरे लिए सबकुछ बदल दिया। डिजिटल की खासियत यही है कंटेंट ही किंग है। जबकि फिल्मों के लिए स्टार वैल्यू चाहिए होती है'।

'द लास्ट आवर की बात करूं तो मेरे और शाहाना गोस्वामी के अलावा बाकी 90 प्रतिशत कलाकार नए हैं। कर्मा ताकपा नए हैं और बहुत अहम किरदार निभा रहे हैं। वह सिर्फ डिजिटल पर ही संभव है। मेरे लिए यह अहम प्लेटफार्म साबित हो रहा है। मुझे दिलचस्प किरदार ऑफर हो रहे हैं। पहली बार आप सुपरनेचुरल शो का हिस्सा बने हैं। हिंदी सिनेमा में इस जॉनर को बहुत कम एक्सप्लोर किया गया है... सच है। हालांकि यह भूत प्रेतों की कहानी नहीं है। इस सीरीज में मैं पुलिस अधिकारी के किरदार में हूं। उसका अपना परिवार है'।

'उसकी अपनी जिंदगी की समस्याएं है। उसकी मुलाकात देव से होती है जिसके पास सुपरनेचुरल पावर है। उसके पास मरे हुए इंसान के आखिरी घंटे के बारे में जानने की पावर है। वह छूकर बता सकता है कि उसके जीवन के आखिरी घंटे में क्या हुआ था। कैसे उसकी मौत हुई या उसका मर्डर किया गया? कैसे मेरा किरदार और देव मिलकर उन रहस्यों और मामलों को हल करते हैं जो इलाके में हो रहे हैं। हमने इसे बेहद खूबसूरत लोकेशन में शूट किया है। सिक्किम में इसकी शूटिंग की है। वहां के लोग बहुत प्यारे हैं। आखिरी शूट हमने जहां पर किया वहां पर कोई होटल भी नहीं था। वहां पर एक छोटे से घर में रहे। वहां से गाड़ी तक पहुंचने के लिए हमें 15 मिनट चलना पड़ता था।

सवाल : अगर आपको 'द लास्ट आवर' की यह शक्ति मिल जाए तो आप क्या करना चाहेंगे?

जवाब : (मुस्कुराते हुए) यह पावर मिले तो यही जानने की कोशिश करूंगा कि कोविड कैसे शुरू हुआ था, ताकि इसे पूरी दुनिया से मिटाया जा सके।

न्यूज़ ब्रीफ

इमरान सरकार का बड़ा फैसला, अमेरिकी सेना को पाकिस्तान के ऊपर से उड़ान की अनुमति दी

वाशिंगटन। अफगानिस्तान में शांति कायम करने को लेकर दोहरा रवैया अपनाने वाले पाकिस्तान ने एक बड़ा फैसला किया है। पेंटागन के एक शीर्ष अधिकारी ने सांसदों को बताया कि पाकिस्तान ने अमेरिकी सेना को अफगानिस्तान में मौजूद अपने सैनिकों को मदद मुहैया कराने के लिए ऊपर से उड़ान भरने की अनुमति दी है। अफगानिस्तान को लेकर अमेरिका की एक बड़ी चिंता है। हिंद-प्रशांत मामलों के सहायक रक्षा मंत्री डेविड एफ हेल्वे ने शुक्रवार को सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों को यह जानकारी देते हुए कहा कि युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका के कारण पाकिस्तान के साथ अमेरिका की बातचीत जारी रहेगी। पाकिस्तान ने अमेरिका को अफगानिस्तान में सैन्य सहायता के लिए अपने हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने और पहुंच स्थापित करने की अनुमति दी है।

चीन में एक के बाद एक कई भूकंप के झटके, सिलसिलेवार भूकंप में अब तक तीन लोगों की मौत, 27 घायल

बीजिंग। चीन में युन्नान प्रांत की यांग्बी स्वायत्त काउंटी में एक के बाद एक आए भूकंप में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के प्रमुख ग्लोबल टाइम्स ने बताया कि दाली बाई स्वायत्त प्रांत की सभी 12 काउंटी और शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए लेकिन यांग्बी सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। यांग्बी काउंटी में दो लोगों की और योंगपिंग काउंटी में एक व्यक्ति की मौत हुई। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने कहा कि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए तथा 24 अन्य को मामूली चोटें आयी है। भूकंप से 20,192 मकानों में रह रहे करीब 72,317 निवासी प्रभावित हुए। चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र के अनुसार, यांग्बी में रात नौ बजे से 11 बजे तक 5.0 तीव्रता से अधिक के चार भूकंप आए।

तिब्बत में कम्युनिस्ट पार्टी का नेतृत्व बरकरार रखेगा चीन

बीजिंग। चीन का कहना है कि वह तिब्बत के विकास और स्थानीय लोगों को समाजवाद के रास्ते पर ले जाने के लिए वहां कम्युनिस्ट पार्टी का नेतृत्व बरकरार रखेगा। तिब्बत के पार्टी सचिव वु यिंगजी ने कहा कि पहली और सबसे बड़ी बात है कि हमें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी का नेतृत्व बरकरार रखना चाहिए। सैन्य अतिक्रमण को तिब्बत की शांतिपूर्ण मुक्ति बताते हुए वु ने कहा कि 1951 के बाद से हर किसी को लगता है कि सिर्फ पार्टी नेतृत्व ही तिब्बत को समृद्धि और विकास के मार्ग पर ले जा सकता है। चीनी सैनिकों ने 1950 में तिब्बत में प्रवेश किया था और इसके एक साल बाद चीनी सरकार ने औपचारिक रूप से इस क्षेत्र और वहां के बौद्ध समुदाय का नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया।

चीन के रोवर ने पहली बार मंगल की सतह पर किया ड्राइव, ग्रह की सतह और वायुमंडल का करेगा अध्ययन

बीजिंग। रिमोट-नियंत्रित और मोटर चालित चीन के रोवर ने शनिवार को पहली बार मंगल की सतह पर ड्राइव किया। रोवर के आधिकारिक इंस्टाग्राम मीडिया पोस्ट के अनुसार इसने चीनी समय के मुताबिक सुबह 10:40 बजे मंगल की सतह पर उतरना शुरू किया। चीन अपने पहले मिशन में मंगल पर ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर उतारने वाला पहला देश बन गया है। रोवर का नाम एक पौराणिक देवता के नाम पर झूरोंग रखा गया है। 240-किलो वजनी झूरोंग में छह वैज्ञानिक उपकरण हैं। इसमें एक हाई-रिजॉल्यूशन टोपोग्राफी कैमरा लगा है, जो ग्रह की सतह और वायुमंडल का अध्ययन करेगा।

टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए डेटिंग एप की मदद लेगा अमेरिका

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने अमेरिका के युवाओं में कोरोना के खिलाफ टीकाकरण को लोकप्रिय बनाने और उसे बढ़ावा देने के लिए प्रमुख डेटिंग एप से हाथ मिलाने का एलान किया है। राष्ट्रपति जो बाइडन का लक्ष्य चार जुलाई तक देश के 70 फीसद वयस्कों को वैक्सीन की एक डोज लगा देना है। लेकिन एक जनमत सर्वेक्षण के अनुसार, 18 से 34 साल के 42 प्रतिशत वयस्कों का कहना है कि टीका लेने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। कोरोना पर व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारी एंडी स्लैविट ने एलान किया कि उपभोक्ताओं में वैक्सीनेशन को लोकप्रिय बनाने के लिए टिंडर, ओकुपिड, बीएलके, हिंज, मैच, चिस्पा और बंबल जैसे डेटिंग एप विशेष फीचर शामिल करेंगे। अमेरिका में पांच करोड़ से ज्यादा लोग इन एप का इस्तेमाल करते हैं।

ब्रिटेन ने 7 वैक्सीन की तीसरी बूस्टर डोज के लिए लांच किया ट्रायल, एस्ट्राजेनेका और फाइजर की वैक्सीन भी शामिल

लंदन। ब्रिटेन में कोविड-19 के सात अलग-अलग टीकों की तीसरी डोज के प्रभाव पर ट्रायल शुरू होने जा रहा है। ब्रिटेन ने सात कोरोना वैक्सीन की तीसरी बूस्टर डोज का ट्रायल लांच कर दिया है। टे कोव-बूस्ट नाम के इस ट्रायल के दौरान आक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका, फाइजर-बायोएनटेक, माडर्ना, नोवावैक्स, वालनेवा, जैनसेन और क्योरवैक की तीसरी डोज का शरीर के प्रतिरक्षा तंत्र पर असर देखा जाएगा। ट्रायल जून में शुरू होगा। सभी आयु वर्ग के तीन हजार लोग इसमें शामिल होंगे। ट्रायल में शामिल लोगों का पहले, तीसरे और 12वें माह में एंटीबाडी टेस्ट कर उनकी प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की जांचा जाएगा। रक्त में एंटीबाडी का उच्च स्तर यह दर्शाएगा कि शरीर कोविड-19 से लड़ने में सक्षम है। ट्रायल के नतीजे सितंबर तक सामने आने की उम्मीद है।

नेपाल की सियासत में नया मोड़, केपी ओली को लगा झटका

काठमांडू ■ एजेंसी

नेपाल में जारी राजनीतिक संकट ने अब एक नई करवट ले ली है और केपी शर्मा ओली को बड़ा झटका लगा है। सरकार बनाने को लेकर फंसे पेच के बीच राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने बड़ा कदम उठाते हुए प्रतिनिधि सभा (संसद) को भंग कर दिया है। प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और विपक्षी दलों दोनों ने ही राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी को सांसदों के हस्ताक्षर वाले पत्र सौंपकर नई सरकार बनाने का दावा पेश किया था। इसके बाद राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी के पाले में गेंद था। मगर राष्ट्रपति ने दोनों के दावों को खारिज कर मध्यावधि चुनाव का ऐलान कर दिया।

नेपाल में अब 12 और 19 नवंबर को मध्यावधि चुनाव होंगे। दरअसल, नेपाल का राजनीतिक संकट शुक्रवार को उस वक्त और गहरा गया था, जब प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली और विपक्षी दलों दोनों ने ही राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी को सांसदों के हस्ताक्षर वाले पत्र सौंपकर नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया। प्रधानमंत्री ओली विपक्षी दलों के नेताओं से कुछ मिनट पहले राष्ट्रपति के कार्यालय पहुंचे थे। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 76 (5) के अनुसार पुनः प्रधानमंत्री बनने के लिए अपनी पार्टी सीपीएन-यूएमएल के 121 सदस्यों और जनता समाजवादी पार्टी-नेपाल (जेएसपी-एन) के 32 सांसदों के समर्थन के दावे वाला पत्र सौंपा। इससे पहले नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने 149 सांसदों का समर्थन होने का दावा किया था।

देउबा प्रधानमंत्री पद का दावा पेश करने के लिए विपक्षी दलों के नेताओं के साथ राष्ट्रपति के कार्यालय पहुंचे। खबरों के मुताबिक प्रधानमंत्री ओली ने संसद में अपनी सरकार का बहुमत साबित करने के लिए एक और बार शक्ति परीक्षण से गुजरने में बृहस्पतिवार को अनिच्छा व्यक्त की थी। नेपाली कांग्रेस (एनसी), कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर), जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) के उपेंद्र यादव नीत धड़े और सत्तारूढ़ सीपीएन-यूएमएल के माधव नेपाल नीत धड़े समेत विपक्षी गठबंधन के नेताओं ने प्रतिनिधि सभा में 149 सदस्यों का समर्थन होने का दावा किया है। एनसी के वरिष्ठ नेता प्रकाश मान सिंह ने यह जानकारी दी।

'माई रिपब्लिका' वेबसाइट के अनुसार इन सदस्यों में नेपाली कांग्रेस के 61, सीपीएन (माओइस्ट सेंटर) के 48, जेएसपी के 13 और यूएमएल के 27 सदस्यों के शामिल होने का दावा किया गया है। 'हिमालयन टाइम्स' की खबर के अनुसार विपक्षी गठबंधन के नेता 149 सांसदों के हस्ताक्षर के साथ सरकार बनाने का दावा करने वाला पत्र राष्ट्रपति को सौंपने के लिए उनके सरकारी आवास 'शीतल निवास' के लिए रवाना हो गए। इस पत्र में शेर बहादुर देउबा को प्रधानमंत्री बनाने की सिफारिश की गयी है। देउबा (74) नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। वह 1995 से 1997 तक, 2001 से 2002 तक, 2004 से 2005 तक और 2017 से 2018 तक इस पद पर रहे हैं।

देउबा 2017 में आम चुनावों के बाद से विपक्ष के नेता हैं। गेंद अब राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी के पाले में था। लेकिन उन्होंने मध्यावधि चुनाव कराने का अब फैसला ले लिया है। राष्ट्रपति ने राजनीतिक दलों को नई सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए शुक्रवार शाम 5 बजे तक का समय दिया था। सरकार ने गुरुवार को राष्ट्रपति भंडारी से सिफारिश की थी कि नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 76 (5) के अनुरूप नई सरकार बनाने की प्रक्रिया शुरू की जाए क्योंकि प्रधानमंत्री ओली एक और बार शक्ति परीक्षण से गुजरने के पक्ष में नहीं हैं। प्रधानमंत्री ओली को 10 मई को उनके पुनः निर्वाचन के बाद प्रतिनिधि सभा में 30 दिन के अंदर बहुमत साबित करना था। आशंका थी कि अगर अनुच्छेद 76 (5) के तहत नयी सरकार नहीं बन सकी तो ओली अनुच्छेद 76 (7) का प्रयोग कर एक बार फिर प्रतिनिधि सभा को भंग करने की सिफारिश करते। ओली सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष हैं। उन्हें 14 मई को संविधान के अनुच्छेद 76 (3) के अनुसार नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गयी थी। इससे चार दिन पहले ही वह संसद में विश्वास मत में पराजित हो गये थे। नेपाल की 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 121 सीटों के साथ सीपीएन-यूएमएल सबसे बड़ा दल है। इस समय बहुमत सरकार बनाने के लिए 136 सीटों की जरूरत है।

दिल्ली के गंगाराम अस्पताल में मिले बीमारी के दो दुर्लभ केस

ब्लैक फंगस ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

कोरोना महामारी के बीच देशभर के साथ ही राजधानी दिल्ली में भी म्यूकोरमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ब्लैक फंगस के इन मामलों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। वहीं, इस बीमारी के कई ऐसे भी केस सामने आ रहे हैं जिन्हें देखकर डॉक्टर भी हैरान और परेशान होने लगे हैं। सरकार स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है। जानकारी के अनुसार, ब्लैक फंगस के मामलों की बढ़ती चिंता के बीच, दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में छोटी आंत के म्यूकोरमाइकोसिस के दुर्लभ मामले सामने आए हैं। 56 वर्षीय दिल्ली निवासी कुमार ने अपनी पत्नी और परिवार के अन्य दो सदस्यों को कोविड के कारण खो दिया है। पेट में दर्द होने के बावजूद उन्होंने बमुश्किल अपनी पत्नी का अंतिम संस्कार किया था। पत्नी के साथ उन्हें भी कोरोना हुआ था और शुरू में उनमें हल्के लक्षण थे। उनके पेट के दर्द को गैस्ट्राइटिस/तनाव से संबंधित माना गया और खुद ही एसिडिटी दवा ले ली, जिससे उचित इलाज में तीन दिन की देरी हुई। अंततः सर गंगा राम अस्पताल की कोविड इमरजेंसी में उनकी जांच की गई। सीटी स्कैन से पता चला कि उनकी छोटी आंत (जेजुनम) में छेद हो गया था। वेंटिलेटर सपोर्ट की आवश्यकता के कारण उनकी उड़स्कक बीमारी भी अब गंभीर हो गई थी।

सर गंगा राम अस्पताल में सर्जिकल गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी और लिवर ट्रांसप्लांटेशन विभाग के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. उषास्त धीर ने कहा कि रोगी में जेजुनम (छोटी आंत का पहला भाग) के छाले ने फंगल बीमारी का मेरा संदेह बढ़ा दिया और रोगी का तुरंत एंटी फंगल इलाज शुरू किया गया। हमने निकाली गई आंत के हिस्से को बायोप्सी के लिए भेज दिया है।

वहीं, 68 वर्षीय एजाज का परिवार यह जानकर खुशी मना रहा था कि उनके पिता उड़स्कक से ठीक हो गए हैं, लेकिन बाद में उन्हें पेट में हल्का दर्द होने लगा। वह डायबिटिक थे और उन्हें कोविड के इलाज के लिए स्टेरॉयड दिया गया था। रोगी को कोई बुखार नहीं था और दर्द बहुत हल्का था। उनकी जांच में भी आंतों की दिक्कत के कोई लक्षण नहीं दिखे। सीटी स्कैन में पहले वाले की तरह ही छोटी आंत में छेद का पता चला। बायोप्सी से दोनों मरीजों में छोटी आंत के म्यूकोरमाइकोसिस की पुष्टि हुई। इन दोनों रोगियों को कोविड था और डायबिटीज भी था, लेकिन उनमें से केवल एक को ही स्टेरॉयड दिए गए थे। इन दोनों रोगियों का ऑपरेशन डॉ. उषास्त धीर द्वारा किया गया था, जिन्होंने खुलासा किया कि इन रोगियों में समान छोटी आंत (जेजुनम) के पहले भाग में डायवर्टिकुला नामक आउटपाउचिंग थी और ये डायवर्टिकुला आसपास के छेदों के साथ छालेदार थे। म्यूकोरमाइकोसिस में आमतौर पर राइनो-ऑर्बिटल-सेरेब्रल सिस्टम या फेफड़े शामिल होते हैं। आंतों या जीआई म्यूकोरमाइकोसिस एक बहुत ही दुर्लभ बीमारी है और इसमें आमतौर पर पेट या बड़ी आंत शामिल होती है। अधिकांश रोगियों में इम्युनिटी कमजोर होती है। अधिकांश गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल म्यूकोरमाइकोसिस ऑर्गन ट्रांसप्लांट कराने वालों में देखा जाता है। सर गंगा राम अस्पताल में इलाज किए गए मामले दुर्लभ थे क्योंकि उन्हें कोविड था और दोनों मामलों में छोटी आंत शामिल थी।

विशेषज्ञों के अनुसार, संक्रमितों द्वारा बिना डॉक्टरों की सलाह के घर में स्टेरॉयड का अनावश्यक अधिक इस्तेमाल करने की वजह से इस तरह के मामले आ रहे हैं। यह फंगल संक्रमण फेफड़ों, साइनस, आंखों और मस्तिष्क को प्रभावित कर सकता है तथा डायबिटीज के मरीजों के लिए घातक हो सकता है।

ब्लैक फंगस के इलाज के लिए दिल्ली सरकार ने दिल्ली के एलएनजेपी, जीटीबी और राजीव गांधी अस्पतालों में विशेष सेंटर बनाने का फैसला किया है। इसके साथ ही इसके इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं का पर्याप्त मात्रा में प्रबंध किया जाएगा और बीमारी से बचाव के उपायों को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाई जाएगी। दिल्ली के लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल के एमडी डॉ. सुरेश कुमार ने शनिवार को बताया कि हमारे यहां कल ब्लैक फंगस के 13 मरीज थे और आज 21 मरीज हो गए हैं। दिल्ली के बाहर से ज्यादा लोग आ रहे हैं, हमारे पास उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान से मामले आ रहे हैं। इस बीच, दिल्ली एम्स में न्यूरोसर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. पी शरत चंद्रा ने बताया कि फंगल इंफेक्शन कोई नई बात नहीं है, लेकिन यह महामारी जितना कभी नहीं हुआ है।

लॉकडाउन का उल्लंघन करने वालों से पुलिस ने वसूला दो लाख रुपये का जुमार्ना, युवकों से कराई कसरत

जहानाबाद ■ एजेंसी

लॉकडाउन का कड़ाई से पालन कराने के लिए शनिवार को भी वाहन और मास्क चेकिंग अभियान सख्त किया गया। एसपी दीपक रंजन के निर्देश पर जिले के शहरी और ग्रामीण इलाके की सड़क मार्गों पर वाहन चेकिंग व मास्क जांच अभियान चलाया जा रहा है।

दो दिनों तक शहर के अलावा ग्रामीण इलाके की सड़कों पर एसडीएम निखिल धनराज, एसडीपीओ अशोक कुमार पांडेय, नगर थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर रवि भूषण के नेतृत्व में एसआई विनय कुमार सिंह, बलबीर सिंह, एएसआई सिकंदर कुमार एवं संजय कुमार सिंह और विभिन्न थाना और ओपी के पुलिस पदाधिकारी बड़ी संख्या में मैप बलों के साथ वाहनों की चेकिंग की। जिसमें कई वाहन गड़बड़ी के कारण पकड़े गए।

जिले में चेकिंग के दौरान वाहन सवारों से जुमार्ने के रूप में दो लाख एक हजार से रुपये राजस्व संग्रह किया गया। शहर सहित कई स्थानों पर सड़क पर निकले युवक पकड़े गए। उनसे दंडस्वरूप सड़क पर ही कसरत करवाई गई। दो दिनों में सर्वाधिक 87 हजार रुपये फाइन नगर थाने की पुलिस द्वारा वसूल किया गया।

कोरोना से लोगों को बचाने के लिए लागू किए गए लॉकडाउन के प्रोटोकॉल का उल्लंघन कर सड़क पर वाहन चलाने वाले, बेवजह पैदल घूमने वाले और निर्धारित समय के बाद भी दुकान संचालित रखने वाले बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसे लोगों को ही पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की अलग-अलग टीम ने सघन अभियान चलाकर कई मामले पकड़े हैं। जहानाबाद- पटना रोड में कड़ौना ओपी के समीप ओपी के प्रभारी अजीत कुमार के नेतृत्व में वाहनों की जांच की गई, जिसमें 33 हजार रुपये जुमार्ना वसूले गए।

घोसी थाने के द्वारा 15 हजार रुपये फाइन के रूप में राजस्व संग्रह किया गया।

रीति-रिवाजों के साथ अंतिम संस्कार कराने पर अड़ा पारसी संगठन, कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

- सूरत पारसी पंचायत बोर्ड ने दायर की याचिका
- समुदाय के सदस्यों का अंतिम संस्कार 'दोखमेनाशिनी' परंपरा से कराने की मांग
- 'दोखमेनाशिनी' परंपरा में शव को ऊंचाई पर बनाए गए एक ढांचे पर रखा जाता है
- इस परंपरा में शव को खा जाते हैं गिद्ध

अहमदाबाद ■ एजेंसी

गुजरात उच्च न्यायालय ने पारसी पंचायत संगठन की याचिका पर केंद्र और राज्य सरकारों के साथ ही सूरत के स्थानीय अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। संगठन ने याचिका दायर कर कोविड-19 से मरने वाले समुदाय के सदस्यों का अंतिम संस्कार पारसी धर्म की परंपराओं के मुताबिक करने का निर्देश देने का आग्रह किया है। न्यायमूर्ति निर्जर देसाई की अदालत ने शुक्रवार को प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर 27 मई तक जवाब देने के लिए कहा है।

'दोखमेनाशिनी' में गिद्धों को खिलाया जाता है शव

सूरत पारसी पंचायत बोर्ड ने अपनी याचिका में कोविड-19 से मरने वाले समुदाय के सदस्यों का अंतिम संस्कार 'दोखमेनाशिनी' परंपरा के मुताबिक करने के मौलिक अधिकार का संरक्षण करने की मांग की है। याचिका में बताया गया कि 'दोखमेनाशिनी' परंपरा में शव को ऊंचाई पर बनाए गए एक ढांचे पर रखा जाता है, जिसे गिद्ध खा जाते हैं और इसके अवशेष सूर्य की किरणों से अपघटित हो जाते हैं।

फिलहाल जलाये जा रहे शव

याचिका में कहा गया कि कोरोना वायरस से मरने वाले पारसी समुदाय के लोगों के शवों के लिए कोई दिशानिर्देश नहीं होने के कारण अधिकारी मृतक के रिश्तेदारों को शव जलाने के लिए बाध्य कर रहे हैं। वकील असीम पांड्या की तरफ से दायर याचिका में कहा गया कि अधिकारी समुदाय के लोगों को मृतक के शव को जलाने या दफन करने का विकल्प दे रहे हैं जो उनके धार्मिक रीति-रिवाज एवं भावनाओं के खिलाफ है।'

कोरोना वैक्सीनेशन के नाम से घबराते चंद्रपुर के ग्रामीण

चंद्रपुर। एक तरफ जहां सरकार लोगो से कोरोना का टीका लगवाने की अपील कर रही है। केंद्र से राज्य के नागरिको के लिए पर्याप्त टीका मुहैया करवाने की कोशिशों मे जुटी है ताकि जल्द से जल्द कोरोना नाम के खतरे को खत्म किया जा सके। वही महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले मे मौजूद कुछ गांव ऐसे है। जहां पर ग्रामीण वैक्सीनेशन से घबराते हुए नजर आ रहे है। इन गांवो मे कई लोगो से साफ तौर पर टीका लगवाने से इंकार कर दिया है। फिलहाल इन गांवो मे 45 प्लस लोगो का वैक्सीनेशन शुरू है। आप सोच रहे होंगे कि जब पूरे देश के लोग इस समय वैक्सीन लगवाना चाहते है तो महाराष्ट्र के इन गांवो मे उल्टी गंगा क्यो बह रही है। तो चलिए जानते है इसके पीछे की वजह। दरअसल महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले के बल्लारपुर तहसील मे आने वाली बामनी ग्राम पंचायत इलाके के अमित नगर, केम और केम तुकुम नाम के कुछ गांव है जहां लोग वैक्सीन नही लगवाना चाहते है।

तनाव: पाकिस्तान में बन रहे गृह युद्ध के हालात असमानता और अन्याय से बिगड़ रही है स्थिति

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

पाकिस्तान एक बार फिर उन स्थितियों में पहुंच रहा है, जब 1971 में गृह युद्ध हुआ और देश दो टुकड़ों में बंटकर बांग्लादेश अस्तित्व में आया। एशिया टाइम्स में इमरान राजा के एक लेख में पाक के एक बार फिर गृह युद्ध के कगार पर पहुंचने के कारण बताए गए हैं। लेख में कहा गया है कि किसी भी शासन में कुशासन, भ्रष्टाचार और गरीबी ऐसे कारण हैं, जो किसी भी समाज में घृणा और हिंसा की भावना को बढ़ा सकते हैं। इन सभी कारणों के साथ यहां नौकरशाही निरंकुश हो गई है। समाज में ऐसी व्यवस्था कायम हो गई है, जहां किसी भी अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाले देशद्रोही और विदेशी एजेंट कहलाते हैं। पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों की हिरासत में तमाम लोगों की मौत हो रही है। खासकर बलूचिस्तान, सिंध, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के हालात ज्यादा खराब हैं।

पाक और चीन की दोस्ती हो रही है मजबूत : इमरान

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कराची के परमाणु ऊर्जा प्लांट- 2 के शुरू होने पर कहा कि चीन और पाकिस्तान की दोस्ती मजबूत हो रही है। आज ही के दिन चीन के साथ राजनयिक संबंधों के सत्तर साल भी पूरे हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे से विकास के नए रास्ते खुलेंगे।

तख्तापलट — म्यांमार में तख्तापलट के विरोध में 800 से ज्यादा लोग मारे गए

सूकी जल्द होंगी कोर्ट में पेश, संविधान में जल्द होगा संशोधन

यंगून ■ एजेंसी

म्यांमार में सत्तारूढ़ जुंटा के नेता मिन आंग लैंग ने कहा है कि देश की सर्वोच्च नेता रहीं आंग सान सूकी अपने घर में पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उन्हें जल्द ही अदालत में पेश किया जाएगा। म्यांमार में एक फरवरी को तख्तापलट कर सत्ता पर कब्जे के बाद लैंग का यह पहला साक्षात्कार है। वीडियो लिंक के जरिये लिया गया यह साक्षात्कार हांगकांग के फीनिक्स टेलीविजन पर प्रसारित हुआ है।

तख्तापलट के विरोध में म्यांमार की जनता सड़कों पर आ गई थी। विरोध को कुचलने की सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 800 से ज्यादा लोग मारे गए, लेकिन देश में शांति अभी भी नहीं है। लैंग ने कहा कि इन प्रदर्शनों में 300 लोग मारे गए हैं। उग्र प्रदर्शनकारियों के हमलों में 47 पुलिसकर्मी भी मरे हैं। इसके अतिरिक्त शनिवार को ही जाडे शहर में सेना की चौकी पर हथियारबंद लोगों ने हमला किया। घटना में तीन सैनिक घायल हुए हैं, नौ सैनिकों को लोगों ने बंधक बना लिया है। सत्तारूढ़ जुंटा के नेता लैंग ने कहा- देश के संविधान में संशोधन किया जाएगा लैंग ने बताया कि जल्द ही देश के संविधान में संशोधन किया जाएगा। इसे लोगों के ज्यादा अनुकूल और व्यावहारिक बनाया जाएगा।

सेना ने फिर से चुनी हुई सरकार को हटाकर सत्ता पर कब्जा कर लिया

नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित सूकी के नेतृत्व में चले लंबे आंदोलन के बाद म्यांमार में लोकतंत्र की स्थापना हुई थी, लेकिन कुछ वर्षों के बाद सेना ने फिर से चुनी हुई सरकार को हटाकर सत्ता पर कब्जा कर लिया। सूकी और चार हजार अन्य लोग इस समय विभिन्न आरोपों में कैद हैं। सूकी पर अवैध रूप से वाकी-टाकी के इस्तेमाल का सैन्य सरकार ने आरोप लगाया है। इसी तरह के कुछ और आरोप सूकी पर हैं। लैंग ने कहा- चुनाव में गड़बड़ियों के चलते सूकी को सत्ता में रहने का हक नहीं था लैंग ने कहा, नवंबर 2020 में हुए चुनाव में सूकी की सत्तारूढ़ पार्टी ने गड़बड़ियां की थीं। इसलिए उन्हें सत्ता में रहने का हक नहीं था। देश के संविधान में जल्द संशोधन किया जाएगा और उसके बाद चुनाव करवाए जाएंगे।

अखिरकार ओली ने पूरे विपक्ष को एक बार फिर पटकनी दे दी है। ओली ने मारी सियासी बाजी, राष्ट्रपति के चुनाव कराने के फैसले पर भड़का विपक्ष, कानूनी कार्रवाई की धमकी दी लैंग ने कहा- सूकी की वीडियो लिंक के जरिये अदालत में होगी पेशी लैंग ने बताया कि सूकी की सोमवार को वीडियो लिंक के जरिये अदालत में पेशी होगी। उन्हें अभी अपने वकील से बात करने की अनुमति नहीं दी गई है। देश में शांति कायम होने के बाद उन्हें वकील से बात करने की अनुमति दी जाएगी।

एवरेस्ट पर भी कोरोना का कहर, मिले 100 संक्रमित, नेपाल में पाए गए आठ हजार से ज्यादा नए मामले

काठमांडू ■ एजेंसी

कोरोना महामारी के कहर से माउंट एवरेस्ट भी अछूता नहीं रह गया है। दुनिया की इस सबसे ऊंची चोटी पर भी संक्रमण बढ़ गया है। यहां अब तक 100 मामले मिले हैं। इधर, पाकिस्तान में भी संक्रमण बढ़ रहा है। जबकि श्रीलंका में संक्रमण की रोकथाम के लिए ट्रेनों और बसों की आवाजाही पर चार दिनों के लिए रोक लगा दी गई है। इस बीच, दुनियाभर में बीते 24 घंटे में छह लाख से ज्यादा नए संक्रमित बढ़ गए और करीब साढ़े 12 हजार लोगों की मौत हो गई। एक गाइड ने शनिवार को बताया कि एवरेस्ट पर संक्रमण बढ़ गया है। बेस कैंप में अब तक करीब 100 लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। संक्रमित लोगों की संख्या 150 से ज्यादा हो सकती है। क्योंकि यहां कई लोगों को बीमार देखा जा सकता है।

एवरेस्ट की चढ़ाई के लिए इस साल कुल 408 विदेशी पर्वतारोहियों को अनुमति दी गई है। जबकि महामारी से जूझ रहे नेपाल में शुक्रवार को 8,607 नए मामले पाए गए और 177 पीड़ितों की मौत हो गई। पाकिस्तान में भी हालात अच्छे नहीं हैं। इस देश में बीते 24 घंटे में 3,070 नए केस पाए गए और 102 मरीजों की जान चली गई।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

न्यूज. ब्रीफ

नरेंद्र बत्रा दोबारा एफआईएच के अध्यक्ष बने, 2024 तक होगा कार्यकाल

नई दिल्ली। भारत के नरेंद्र बत्रा को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के अध्यक्ष पद पर दोबारा चुना गया है। हॉकी की वैश्विक संस्था एफआईएच की 47वीं कांग्रेस के दौरान बत्रा को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए चुना गया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के सदस्य बत्रा ने अपने प्रतिद्वंद्वी बेल्जियम हॉकी महासंघ के प्रमुख मार्क कोड्रोन को कड़े मुकाबले में दो वोट से हराया। बत्रा को 63 जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी को 61 मत मिले। मतदान में 124 सदस्य संघों ने हिस्सा लिया। बत्रा अब 2024 तक एफआईएच अध्यक्ष रहेंगे।

भारत को लगा बड़ा झटका, विनोद तंवर कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद एशियाई चैंपियनशिप से हटे

नई दिल्ली। भारत के स्टार बॉक्सर और दक्षिण एशियाई खेलों के गोल्ड मेडलिस्ट विनोद तंवर कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हैं और इसके चलते वह दुबई में होने वाली एशियाई चैंपियनशिप से हट गए हैं। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में हुए टूर्नामेंट में पार्ट लेने के बाद विनोद ब्रेक के तौर पर अपने घर गए थे। इस हफ्ते पटियाला में क्वारंटाइन के दौरान टेस्ट किए जाने पर वह कोरोना पॉजिटिव पाए गए। विनोद ने पहली बार महाद्वीपीय टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का मौका गंवा दिया। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने पीटीआई को बताया, "विनोद तंवर का नाम टीम से हटा दिया गया था क्योंकि वह कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए गए हैं। तंवर अपने घर में थे और टीम के बाकी सदस्यों के संपर्क में नहीं थे जो बायो-बबल के सुरक्षित माहौल में थे। टीम मैनेजमेंट ने किसी वैकल्पिक खिलाड़ी को नहीं ले जाने का फैसला किया और भारत 2021 एएसबीसी एशियाई चैंपियनशिप के 49 किग्रा वर्ग में चुनौती पेश नहीं करेगा।"

कोविड-19 से जंग के लिए आगे आए आईलीग विजेता गोलकीपर उबैद, जर्सी नीलाम करके कोष जुटाया

नई दिल्ली। आई लीग फुटबॉल टूर्नामेंट की विजेता टीम गोकुलम केरल के गोलकीपर सीके उबैद ने अपने राज्य केरल में कोविड-19 के खिलाफ जंग में मदद करने के लिए अपनी जर्सी नीलाम करके 33,000 रुपये जुटाए। इस अनुभवी गोलकीपर ने इस धनराशि को केरल के मुख्यमंत्री के आपदा राहत कोष में जमा किया। उबैद ने अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) की आधिकारिक वेबसाइट से कहा, "यह आई लीग खिताब (केरल राज्य के लिये) ऐतिहासिक था। मैं हमेशा खिताब जीतने का सपना देखता था। मलयाली होने और अपने राज्य के क्लब के लिये इसे जीतना मेरे लिये बहुत मायने रखता है। उन्होंने आगे कहा कि इसलिए यह जर्सी भी मेरे लिये विशेष है। यह मेरे दिल के टुकड़े जैसी थी लेकिन मुख्य उद्देश्य कोविड के मरीजों के लिये अधिक सहयोग जुटाना है। यह मुश्किल समय है और हम एक दूसरे की मदद करके ही इससे पार पा सकते है।

भारतीय महिला क्रिकेटर श्रावंती नायडू की मां का कोरोना से निधन, अस्पताल से छुट्टी के बाद घर पर ली अंतिम सांस

नई दिल्ली। भारत की पूर्व महिला क्रिकेटर श्रावंती नायडू की मां का कोरोना वायरस के चलते निधन हो गया. वह कई दिनों से बीमार थी और अस्पताल में भर्ती थी. उन्होंने 22 मई की दोपहर में अंतिम सांस ली. उन्हें एक दिन पहले ही अस्पताल से छुट्टी दी गई थी. हालांकि उनकी हालत गंभीर थी लेकिन उनके परिवार ने अस्पताल से छुट्टी देने की अपील की थी. श्रावंती के पास मां के इलाज के लिए पैसे भी नहीं बचे थे. उन्होंने काफी पैसे खर्च कर दिए. इसके बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड से मदद मांगी गई थी. श्रावंती की मां के इलाज के लिए विराट कोहली, हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन समेत कई लोगों ने मदद की थी. श्रावंती की मां को अस्पताल से छुट्टी दिए जाने के समय भी कई लोगों ने मिलकर 5.28 लाख रुपये का मेडिकल बिल भरा था. वहीं विराट कोहली ने इलाज के लिए 6.77 लाख रुपये दिए थे. वहीं हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन ने पांच लाख रुपये दिए थे. साथ ही तीन लाख रुपये की मदद और करने का फैसला किया था. इससे पहले बैडमिंटन स्टार ज्वाला गुट्टा, क्रिकेटर हनुमा विहारी ने भी श्रावंती के लिए मदद का हाथ बढ़ाया था. उन्होंने बाकी लोगों से भी मदद की अपील की थी.

भारतीय महिला टीम के कोच को लेकर भड़के सौरव गांगुली, फैसले पर जताई नाराजगी

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच डब्ल्यूवी रमन को हटाने को लेकर चल रहा विवाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड में थमने का नाम नहीं ले रहा है। जानकारी अब सामने आई है कि बीसीसीआई अध्यक्ष जैसे बड़े अधिकारी ने भारतीय महिला टीम के कोच के रूप में रमन को नहीं बनाए रखने पर निराशा और नाराजगी व्यक्त करते हुए आंतरिक रूप से इस मुद्दे को उठाया है। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, सौरव गांगुली ने औपचारिक रूप से भारत के पूर्व बल्लेबाज रमन को बर्खास्त करने पर आपत्ति व्यक्त की है, क्योंकि रमेश पवार को मुख्य कोच चुना गया है, जिन्हें क्रिकेट सलाहकार समिति ने इस पद के लिए नहीं चुना था। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया कि कैसे एक कोच, जिसने टीम को एक वैश्विक टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचाया था, उसको बरकरार नहीं रखा गया है। यह कहा जाना चाहिए कि टीम के कुछ वरिष्ठ सदस्यों ने कथित तौर पर रमन के बारे में शिकायत की है, लेकिन बीसीसीआई अध्यक्ष, जो खुद एक समय सीएसी के सदस्य थे, उन्होंने महसूस किया है कि भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज के साथ बने रहना चाहिए था।

धौनी ने मुझे सिखाया कि जिम्मेदारी कैसे लेनी है : चाहर

नई दिल्ली। आईपीएल की टीम चेन्नई सुपरकिंग्स के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने पावरप्ले गेंदबाज बनने का श्रेय टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धौनी को दिया। चाहर श्रीलंका में प्रस्तावित सीमित ओवरों की सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा हो सकते हैं। चाहर ने कहा, 'माही भाई ने मुझे पावरप्ले गेंदबाज बनाया। वह हमेशा मुझसे कहते हैं कि तुम एक पावरप्ले गेंदबाज हो। मैच का पहला ओवर वह ज्यादातर मुझे ही देते हैं। मुझे उनके द्वारा बहुत डांटा गया, लेकिन मैं उन बातों को जानता हूं और उस मार्गदर्शन से मुझे भी बहुत फायदा हुआ है। मुझे एक गेंदबाज के रूप में विकसित होने में मदद मिली है।' दीपक चाहर ने आईपीएल 2021 में नई गेंद से गेंदबाजी की थी और कई विकेट भी चटकाए थे। उन्होंने दो बार चार-चार विकेट भी लिए। उन्होंने कहा, 'माही भाई की कप्तानी में खेलना शुरू से ही मेरा सपना था। उनकी कप्तानी में मुझे काफी कुछ सीखने को मिला है। मैं उनके मार्गदर्शन में अपने खेल को दूसरे स्तर पर ले गया हूं। उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है। उन्होंने मुझे सिखाया कि जिम्मेदारी कैसे लेनी है।

कोरोना वायरस के बीच खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर आईओए अब तक 148 खिलाड़ियों को लग चुका है कोविड-19 का पहला टीका

- टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुकी है टीम इंडिया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

कोरोना वायरस के बीच आईओए सभी खिलाड़ियों को वैक्सीन देने की कोशिश में लगा हुआ है. खासतौर पर उन खिलाड़ियों को जो या तो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं या फिर क्वालिफाई कर सकते हैं. भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के अनुसार टोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुके खिलाड़ियों सहित विभिन्न खेलों के कुल 148 खिलाड़ियों पर कोविड-19 का पहला टीका लगाया जा चुका है. आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने कहा कि इन 148 खिलाड़ियों में से 17 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्हें दोनों टीके लगा दिये गये हैं जबकि 131 खिलाड़ियों को अभी पहला टीका लगा है. इन 148 खिलाड़ियों में वे खिलाड़ी भी शामिल हैं जो 23 जुलाई से शुरू होने वाले टोक्यो ओलिंपिक खेलों में जगह बना सकते हैं. इसके अलावा टोक्यो पैरालिंपिक खेलों में भाग लेने वाले 13 खिलाड़ियों को भी कोविड का पहला टीका लगाया जा चुका है. इसके अलावा दो खिलाड़ियों को दोनों टीके लगाये जा चुके हैं. टोक्यो पैरालंपिक खेल 24 अगस्त से शुरू होंगे.

टोक्यो जाने वाले अधिकतर खिलाड़ियों को लगा टीका

इस तरह से 20 मई तक 163 खिलाड़ियों (पैरालिंपिक सहित) ने कम से कम पहला टीका लगवा दिया है. बत्रा ने टोक्यो जाने वाले खिलाड़ियों और अधिकारियों के टीकाकरण की स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि 20 मई तक 87 अधिकारियों ने कोविड-19 का पहला टीका लगा दिया है जबकि 23 अधिकारियों पर दोनों टीके लग गये हैं. अब तक भारत के 90 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में टोक्यो ओलिंपिक के लिये क्वालिफाई किया है. टोक्यो खेलों को कोविड-19 के कारण एक साल के लिये स्थगित कर दिया गया था. इस बीच भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने बताया कि ओलंपिक में भाग लेने वाले निशानेबाजों पर क्रोएशिया में ही टीका लगाया जाएगा क्योंकि उन्हें वहीं से टोक्यो जाना है. भारतीय निशानेबाज अभी क्रोएशिया में अभ्यास कर रहे हैं. इनमें से कुछ पर भारत से रवाना होने से पहले ही पहला टीका लगा दिया गया था और उन पर दूसरा टीका क्रोएशिया में लगाया जाएगा. तलवारबाज भवानी देवी अभी इटली में अभ्यास कर रही हैं और उन्हें वहीं पहला टीका लगाया गया जबकि भारोत्तोलक मीराबाई चानू को अमेरिका में पहला टीका लगाये जाने की संभावना है.

| बैटिंग की आलोचना से ये भारतीय खिलाड़ी है बेफिक्र, कहा- |

बदलाव की जरूरत नहीं

- कड़ी मेहनत पर ध्यान
- साहा कोरोना से उबरे. जल्द होंगे टीम इंडिया में शामिल

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारतीय क्रिकेट टीम में फिलहाल विकेटकीपर की पोजिशन को लेकर सारी बहस खत्म होती दिख रही है. कम से कम टेस्ट क्रिकेट में तो ये जिम्मेदारी अब पूरी तरह से ऋषभ पंत के कंधों पर आ गई है, जिन्होंने अपनी विकेटकीपिंग से ज्यादा अपनी अटैकिंग बल्लेबाजी के दम पर सबसे पहले टीम में जगह बनाई थी. उनकी बैटिंग के ही कारण विकेट के पीछे और बैटिंग में भी तकनीकी रूप से ज्यादा मजबूत ऋद्धिमान साहा को अब प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना पड़ रहा है. अक्सर अपनी बैटिंग को लेकर आलोचना झेलने वाले साहा ने कहा है कि उन्हें अपनी बैटिंग तकनीक या दृष्टिकोण में किसी तरह के बदलाव की जरूरत नहीं है. इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टीम में बतौर विकेटकीपर ऋषभ पंत और ऋद्धिमान साहा को शामिल किया गया है. पिछले करीब दो साल से भी ज्यादा वक्त से इस फॉर्मेट में यही दोनों विकेटकीपर टीम इंडिया का हिस्सा रहे हैं. पंत ने खास तौर पर हाल के महीनों में अपनी बैटिंग के असर से प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह पक्की की, वहीं अब विकेटकीपिंग में भी दिखे जबरदस्त सुधार के कारण पंत ही टीम की पहली पसंद बन गए हैं. ऐसे में साहा के लिए टीम में जगह बना पाना आसान नहीं है.

पंत ने उठाया मौके का फायदा

साहा ने टीम के अपने साथी और युवा विकेटकीपर ऋषभ पंत की भी तारीफ की और कहा कि धौनी के संन्यास और 2018 में उनकी चोट के बाद मिले मौकों का सबसे अच्छा फायदा पंत ने ही उठाया. साहा ने कहा, जब मैं चोट के कारण बाहर हुआ तो पार्थिव, डीके और ऋषभ को मौके मिले. लेकिन वह ऋषभ ही थे, जिन्होंने मौके का पूरा फायदा उठाया और टीम में अपनी जगह पक्की कर ली. मुझे इस दौरान कुछ ही मैच खेलने को मिले. साहा टीम इंडिया के साथ साढ़े तीन महीने के इंग्लैंड दौरे पर रहेंगे, जहां भारतीय टीम को आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के अलावा 5 टेस्ट मैचों की सीरीज भी खेलनी है. हालांकि, इन सभी सीरीज में पंत ही प्लेइंग इलेवन के लिए पहली पसंद होंगे, लेकिन साहा को उम्मीद रहेगी कि उन्हें भी एक मौका मिल सकेगा.

पंत ने उठाया मौके का फायदा

साहा ने टीम के अपने साथी और युवा विकेटकीपर ऋषभ पंत की भी तारीफ की और कहा कि धोनी के संन्यास और 2018 में उनकी चोट के बाद मिले मौकों का सबसे अच्छा फायदा पंत ने ही उठाया. साहा ने कहा, जब मैं चोट के कारण बाहर हुआ तो पार्थिव (पटेल), डीके (दिनेश कार्तिक) और ऋषभ को मौके मिले. लेकिन वह ऋषभ ही थे, जिन्होंने मौके का पूरा फायदा उठाया और टीम में अपनी जगह पक्की कर ली. मुझे इस दौरान कुछ ही मैच खेलने को मिले. साहा टीम इंडिया के साथ साढ़े तीन महीने के इंग्लैंड दौरे पर रहेंगे, जहां भारतीय टीम को आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के अलावा 5 टेस्ट मैचों की सीरीज भी खेलनी है. हालांकि, इन सभी सीरीज में पंत ही प्लेइंग इलेवन के लिए पहली पसंद होंगे, लेकिन साहा को उम्मीद रहेगी कि उन्हें भी एक मौका मिल सकेगा.

पलक कोहली-पारुल परमार की बैडमिंटन जोड़ी ने पैरालपिक के लिए पहली बार किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। पलक कोहली और पारुल परमार की महिला युगल जोड़ी शुक्रवार को टोक्यो पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई कर इन खेलों में जगह बनाने वाली भारत की पहली बैडमिंटन जोड़ी बन गई। कोविड-19 महामारी के कारण लागू यात्रा प्रतिबंध के चलते 18 वर्षीय पलक और अनुभवी पारुल स्पेनिश पैरा-बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट (11-16 मई) में प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकी थी। इस खेल का वैश्विक संचालन करने वाली संस्था बीडब्ल्यूएफ ने शुक्रवार को ओलंपिक में उनके क्वालीफाई करने की सूचना दी। पलक और पारुल की जोड़ी ने महिला युगल के पैरा-बैडमिंटन के एसएल तीन-एसयू पांच वर्ग में क्वालीफिकेशन हासिल किया। इस वर्ग को पहली बार पैरालंपिक में शामिल किया गया है। टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली सबसे कम उम्र की पैरा-बैडमिंटन खिलाड़ी पलक ने कहा, 'हमें आज ऑफिशियल जानकारी मिली और मैं यह खबर सुनकर खुश हूं।' इस जोड़ी को विश्व रैंकिंग में छठा स्थान हासिल है। बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग की शीर्ष छह जोड़ियों ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है। स्पेनिश ओपन के पूरा होने के बाद रैंकिंग जारी की गई थी। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ महीनों में हम आगे बढ़ने के लिए काफी मेहनत कर रहे है।

यात्रीगण ध्यान दें! 23 मई को रात 11.45 बजे से 3.30 घंटे के लिए बंद रहेगी रेलवे की ये सर्विस

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर है. 23 मई को रात 11.45 बजे से रेलवे की खास सर्विस 3.30 घंटे के लिए बंद रहेगी. उत्तर रेलवे की प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, स्टैटिक और डायनेमिक डाटाबेस कम्प्रेशन काम के चलते दिल्ली की पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम की सभी सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी. हालांकि इंटरनेट के द्वारा इंक्वायरी उपलब्ध रहेगी. वहीं, उत्तर रेलवे ने देश के पूर्वी तटीय क्षेत्रों में चक्रवाती तूफान यास के चलते कुछ ट्रेनों को रद्द कर दिया है. अगर आपने इन ट्रेनों में टिकट बुक कराए हैं तो यात्रा करने से कैंसिल ट्रेनों की लिस्ट जरूर देख लें.

रद्द हुई ये ट्रेनें

- 02801 पुरी-नई दिल्ली स्पेशल 24, 25 और 26 मई को नहीं चलेगी.
- 02802 नई दिल्ली-पुरी स्पेशल 23, 24 और 25 मई को रद्द रहेगा.
- 02814 आनंद विहार टर्मिनल- भुवनेश्वर स्पेशल का परिचालन 24 मई रद्द रहेगा.
- 02816 आनंद विहार टर्मिनल- पुरी स्पेशल 24 और 26 मई को नहीं चलेगी.
- 02815 पुरी- आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल 26 और 27 मई को रद्द रहेगा.
- 02823 भुवनेश्वर - नई दिल्ली स्पेशल का परिचालन 25 मई को रद्द रहेगा.
- 02824 नई दिल्ली- भुवनेश्वर स्पेशल 26 मई को नहीं चलेगी.
- 02826 नई दिल्ली- भुवनेश्वर स्पेशल 24 मई को नहीं दौड़ेगी.
- 02875 पुरी- आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल का परिचालन 25 मई को नहीं होगा.
- 02876 आनंद विहार टर्मिनल- पुरी स्पेशल का परिचालन 25 मई को नहीं रहेगा.
- 08477 पुरी-योगनगरी ऋषिकेश स्पेशल का परिचालन 25 से 27 मई तक
- 08478 योगनगरी ऋषिकेश- पुरी स्पेशल 24, 25 और 26 मई को रद्द रहेगा.
- 02209 भुवनेश्वर- नई दिल्ली स्पेशल का परिचालन 26 मई को नहीं रहेगा.
- 02819 भुवनेश्वर- आनंद विहार टर्मिनल स्पेशल का परिचालन 26 मई को रद्द
- 02820 आनंद विहार टर्मिनल-भुवनेश्वर स्पेशल का परिचालन 25 मई को रद्द।

3.30 घंटे बंद रहेगी सर्विस

23 को मध्य रात्रि से दिल्ली की सभी सर्विस जैसे रिजर्वेशन, कैंसिलेशन, चार्टिंग, ईडीआर सर्विसेज, काउंटरों और टेलीफोन नंबर 139 पर इंक्वायरी इंटरनेट बुकिंग दिनांक 23 /24.05.2021 को मध्य रात्रि 3.30 घंटे अस्थायी रूप से बंद रहेगी. पीआरएस सेवाएं 23 मई को रात्रि 11.45 बजे से 24 मई को तड़के 03.15 बजे तक उपलब्ध नहीं होंगी.

भारत की ऑलटाइम टेस्ट इलेवन का चयन किया विजडन ने, इस खिलाड़ी को बनाया टीम का कप्तान

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारतीय क्रिकेट टीम का टेस्ट क्रिकेट में वर्चस्व लगातार बना हुआ है। आइसीसी की सालाना टेस्ट रैंकिंग में भारतीय टीम इस बार भी पहले नंबर पर रही। अब टीम इंडिया को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड में खेलना है तो वहीं इसके बाद भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेगी।

इन सारी बातों के बीच विजडन ने भारत की ऑलटाइम टेस्ट प्लेइंग इलेवन का चयन किया। दिग्गज खिलाड़ियों से भरी इस टीम का कप्तान विजडन ने विराट कोहली को बनाया। विजडन ने जिस टेस्ट टीम का चयन किया है उसमें बतौर ओपनर बल्लेबाज सुनील गावस्कर और राहुल द्रविड़ को चुना है। तीसरे नंबर के लिए इस टीम में चेतेश्वर पुजारा का नाम शामिल किया गया है तो वहीं सचिन तेंदुलकर को चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए चयनित किया गया। विराट कोहली को टीम में बतौर बल्लेबाज पांचवें नंबर के लिए चुना गया और वो टीम के कप्तान भी हैं।

इस टीम में विकेटकीपर

बल्लेबाज के तौर पर रिषभ पंत को शामिल किया गया तो वहीं टीम में बतौर तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के तौर पर कपिल देव को शामिल किया गया। इसके अलावा इस टीम में स्पिन ऑलराउंडर के रूप में आर अश्विन और रवींद्र जडेजा को रखा गया। बतौर शुद्ध स्पिनर टीम में अनिल कुंबले को शामिल किया तो वहीं तेज गेंदबाज के रूप में टीम में जसप्रीत बुमराह का चुनाव किया गया। हालांकि इस टीम में गावस्कर और कपिल देव जैसे खिलाड़ी के रहते हुए विराट कोहली को कप्तान बनाया जाना एक हैरानी भरा फैसला है तो वहीं टीम में एम एस धौनी को भी जगह नहीं दी गई।

श्रीलंका के नए वनडे कप्तान कुसल परेरा

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज शुरू होने से ठीक पहले श्रीलंका के नए वनडे कप्तान ने वेतन विवाद पर दिया बड़ा बयान

विजडन की ऑलटाइम भारतीय टेस्ट इलेवन

सुनील गावस्कर, राहुल द्रविड़, चेतेश्वर पुजारा, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली (कप्तान), रिषभ पंत (विकेटकीपर), कपिल देव, आर अश्विन, रवींद्र जडेजा, अनिल कुंबले, जसप्रीत बुमराह।

स्वास्थ्य सुरक्षा ▸ साई के उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे सभी राष्ट्रीय प्रशिक्षु, संभावित राष्ट्रीय प्रशिक्षु, खेलो इंडिया एथलीटों और जूनियर प्रशिक्षु को 5 लाख रुपये का बीमा कवर प्रदान किया जाएगा

13000 खिलाड़ियों और सपोर्टिंग स्टाफ को दुर्घटना बीमा कवर प्रदान करेगा साई

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) 13,000 से अधिक एथलीटों, प्रशिक्षकों और सहायक कर्मचारियों को इस साल से चिकित्सा और दुर्घटना बीमा कवर प्रदान करेगा। भारत में कोविड-19 महामारी के मद्देनजर यह कदम सभी एथलीटों और सहायक कर्मचारियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के निर्णय के अनुरूप है। केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री किरेन रीजिजू ने कहा कि एथलीटों को उनकी क्षमता का एहसास कराने में सहायता कर रहे प्रशिक्षण और सहयोगी स्टाफ मंत्रालय के सबसे बड़े हितधारक हैं। उन्होंने कहा, 'हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे सभी एथलीटों और अनुबंधित कर्मचारियों के पास इस कठिन समय के दौरान और उसके बाद भी स्वास्थ्य सुरक्षा हो।' उन्होंने कहा, 'वे हमारी राष्ट्रीय संपत्ति हैं।' साई के उत्कृष्टता केंद्र में प्रशिक्षण ले रहे सभी राष्ट्रीय प्रशिक्षु, संभावित राष्ट्रीय प्रशिक्षु, खेलो इंडिया एथलीटों और जूनियर प्रशिक्षु को 5 लाख रुपये का बीमा कवर प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ और प्रशिक्षक को 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा भी मिलेगा, जबकि 25 लाख रुपये का दुर्घटना या मृत्यु के लिए बीमा कवर शामिल है। रीजिजू ने कहा, 'इस पहल के माध्यम से, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सभी राष्ट्रीय स्तर के एथलीटों के पास न केवल राष्ट्रीय शिविरों के दौरान बल्कि पूरे साल के दौरान बीमा कवर उपलब्ध हो। हमने खेलो इंडिया छात्रवृत्ति लेने वाले खिलाड़ियों और जूनियर एथलीटों के लिए बीमा कवर को बढ़ाकर 5 लाख रुपये प्रति एथलीट प्रति वर्ष कर दिया है।' यह निर्णय राष्ट्रीय शिविर की तारीखों पर ध्यान दिए बिना लागू होगा, भले ही इस साल अब तक कुछ खेलों के ऐसे शिविर नहीं चल रहे हों। यह बीमा में निरंतरता सुनिश्चित करेगा और राष्ट्रीय स्तर के एथलीटों, प्रशिक्षकों और राष्ट्रीय शिविरों से जुड़े सहायक कर्मचारियों को आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। भारतीय खेल प्राधिकरण ने राष्ट्रीय खेल महासंघों से बीमा योजना में शामिल करने के लिए एथलीटों और सहायक कर्मचारियों की पहचान करने का अनुरोध किया है। इस बीमा योजना के तहत शामिल किए गए लोगों के डेटा को एक पारदर्शी और आसान पहुंच प्रक्रिया बनाने के लिए राष्ट्रीय खेल कोष प्रणाली में संग्रहीत किया जाएगा, जिसकी नियमित रूप से निगरानी की जा सकती है। प्रत्येक राष्ट्रीय खेल संघ के लिए प्रशिक्षण और प्रतियोगिता के वार्षिक कैलेंडर के माध्यम से, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय राष्ट्रीय शिविरों, विदेशों में प्रदर्शन, राष्ट्रीय चैंपियनशिप और जूनियर कार्यक्रमों के आयोजन के लिए धन उपलब्ध कराता है।

जापान में हो रहे विरोध के बावजूद तय समय पर होगें टोक्यो ओलंपिक: बाक

नई दिल्ली। जापान में कोविड-19 महामारी के कारण टोक्यो ओलंपिक के विरोध के बावजूद भी इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) के प्रमुख थॉमस बाक ने शनिवार को कहा कि इन खेलों का आयोजन अपने तय समय पर होगा। आईओसी अध्यक्ष ने कहा कि अभूतपूर्व स्वास्थ्य संकट के कारण 2020 में एक साल के लिए स्थगित हुए ओलंपिक के आयोजन से यह संदेश जाएगा कि "सुरंग के आखिर में अब भी प्रकाश है (कठिन परिश्रम के बाद आशा की किरण)। बाक ने ऑनलाइन तरीके से आयोजित इंटरनेशनल हॉकी महासंघ (एफआईएच) के 47वें कांग्रेस में अपने संबोधन के दौरान यह बयान दिया। उन्होंने कहा, "टोक्यो ओलंपिक के शुरू होने में काफी कम समय बचा है। उसकी उलटी गिनती शुरू हो गई है। इस कठिन समय के दौरान, हमें जुझारूपन, विविधता में एकता का एक मजबूत संदेश भेजने की जरूरत है। टोक्यो हमें सुरंग के आखिर में रोशनी दिखाएगा। बाक की टिप्पणी से पहले आईओसी के उपाध्यक्ष जॉन कोट्स ने भी कहा कि महामारी के कारण शहर में आपातकाल लागू होने के बाद भी टोक्यो खेलों का आयोजन होगा। आईओसी का यह रुख कोविड से प्रभावित दुनिया में खेलों की मेजबानी की चुनौतियों को स्वीकार करता है। जापान के ज्यादातर नागरिक खेलों की मेजबानी के पक्ष में नहीं है, क्योंकि महामारी के दौर में इससे देश के चिकित्सा बुनियादी ढांचे पर और दबाव पड़ने की संभावना है लेकिन आईओसी अपने फैसले पर अडिग है। बाक ने विश्वास व्यक्त किया कि पिछले साल स्थगित हुए खेलों को स्थानीय आयोजकों के साथ, आईओसी सुरक्षित आयोजन में सक्षम होगा। उन्होंने कहा, हम सभी के लिए सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमें जापान के अपने सहयोगियों के साथ यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे एथलीट एक साथ आएं और सुरक्षित वातावरण में प्रतिस्पर्धा करें। 70 प्रतिशत से अधिक एथलीटों और अधिकारियों को पहले ही टीका लगाया जा चुका है और यह संख्या समय के साथ और बढ़ेगी।

एक नजर...

तिरूपोरूर तालुक के मीरवी ज्वेलर्स व्यापरियों ने एक लाख एक हजार रुपये मुख्यमंत्री कोष में सुपुर्द किये

नारायणलाल सैणचा बैगलोर

चैन्नई – तामीलनाडु मुख्यमंत्री रात कोश मे देने के लिए तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन तिरुपोरुर तालुक कि तरफ सु 101000/ एक लाख एक हजार रुपये तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द को सुपुर्द किया इस कार्यक्रम मे तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के तिरुपोरुर तालुक अध्यक्ष गोवीन्दस्वामी चेटीयार तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के तिरुपोरुर तालुक उपाध्यक्ष ओ पुखराज लेरचा ओमप्रकाश परिहार प्रबुराम सीरवी मोजुद थे।

सीरवी समाज ट्रस्ट, नंगनल्लूर में कोविड टीकाकरण शिविर आयोजित

पुष्पांजली टुडे

चैन्नई –सीरवी समाज ट्रस्ट, नंगनल्लूर ने ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन जी सी सी के साथ कोविड टीकाकरण शिविर का आयोजन किया है। जिसमे आयु 45+ के व्यक्तियों कोविड टीकाकरण किया जिसमे 100 व्यक्तियों का टीकाकरण हुवा ।इसमें समाज रतनलाल राठौड़ तेजाराम पवार गजेंद्र पवार बाबूलाल सोलंकी केशाराम सोलंकी जयप्रकाश हाम्बड मगाराम भगाराम धनाराम रमेश डॉक्टर बाबुलाल का सहयोग रहा।

चार राज्यों के लिए बसों का संचालन 31 मई तक स्थगित

ग्वालियर। प्रदेश के परिवहन एवं राजस्व मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया की राज्य में कोरोना वायरस के व्यापक संक्रमण पर प्रभावी रोकथाम को दृष्टिगत रखते हुए लोकहित के लिए महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तरप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की ओर जाने और वहां से आने वाली बसों का संचालन पूर्ण रूप से 31 मई तक स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि स्थगन की अवधि 23 मई से बढ़ा कर 31 मई 2021 तक कर दी गई है। परिवहन मंत्री श्री राजपूत के निर्देश पर इस संबंध में चारों राज्यों के लिए पृथक-पृथक आदेश जारी किये गये है। सचिव राज्य परिवहन प्राधिकार एवं अपर परिवहन आयुक्त (प्रवर्तन) मप्र अरविंद सक्सेना ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार अंतरराज्यीय अनुज्ञाओं एवं अखिल भारतीय पर्यटक अनुज्ञाओं से आच्छादित मध्यप्रदेश राज्य की समस्त यात्री बस वाहनों का महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश की सीमा में प्रवेश तथा इन राज्यों के यात्री बस वाहनों का मध्यप्रदेश की सीमा में प्रवेश 31 मई तक स्थगित किया गया है।

गिरने लगा तिघरा डैम का जलस्तर पेहसारी से लाया जाएगा पानी

ग्वालियर। शहर की जीवन रेखा यानी तिघरा बांध के गिरते जलस्तर ने नगर निगम के सामने समस्या खड़ी कर दी है अगर शहर में एक दिन छोड़कर जलप्रदाय किया जाए तो तिघरा में सिर्फ जुलाई तक का ही पानी बचा है,ऐसे में अब ग्वालियर नगर निगम ने वैकल्पिक व्यवस्था की तैयारी शुरू कर दी है। तिघरा का जलस्तर बढ़ाने के लिए पेहसारी से पानी को लिफ्ट किया जा रहा है लेकिन सांक नदी पर ग्रामीण क्षेत्रों में बने स्टाप डैम के कारण प्रशासन को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शहर की 70 फीसदी आबादी को पानी सप्लाई करने वाला तिघरा डैम एक बार फिर से सूखने लगा है,हालत ये है कि अब डैम में सिर्फ इतना पानी है कि शहर की आबादी को 13 जुलाई तक पानी सप्लाई किया जा सकता है ऐसे में नगर निगम ने शहर में एक दिन छोड़कर पानी सप्लाई शुरू कर दी है हर साल की तरह इस साल भी नगर निगम ककेटो डेम से पेहसारी डैम होते हुए तिघरा जलाशय तक पानी लाने की तैयारी शुरू कर चुका है।

150 लोगों के निःशुल्क आयुष्मान

ग्वालियर। आल इण्डिया कान्फेडरेशन आफ ट्रेड,मध्यप्रदेश, एवं वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान ग्वालियर द्वारा श्रीमती सत्यादेवी खुराना की स्मृति मे प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत आयुष्मान कार्ड बनाने का निःशुल्क शिविर सहयोग गार्डन मे सम्पन्न हुआ। सहयोग गार्डन में 150 लोगों के निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाये गये। वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान ग्वालियर के संयोजक मुकेश जैन ने बताया कि सीएससी के माध्यम से आयुष्मान कार्ड बनाने का शिविर आयोजित किया गया और इस शिविर का शुभारम्भ व्यवसाई राजपाल खुराना ने किया। म.प्र. शासन द्वारा कोविड इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड निजी अस्पतालों में लागू करने से लोगों में जागरूकता आयी है और प्रिया दास ने 150 लोगों के निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाकर दिये।

ऊर्जा मंत्री ने जिले के अधिकारियों से चर्चा की

ग्वालियर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एवं कोविड के लिये जिले के प्रभारी मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि कोरोना संक्रमण की पॉजिटिविटी दर कम जरूर हुई है लेकिन अभी-भी जिन स्थानों पर कोविड पॉजिटिव मरीज हैं उन क्षेत्रों को हॉट स्पॉट मानकर कोविड गाइडलाइन का सख्ती से पालन कराया जाए। 31 मई तक जिले में लगाए गए जनता कर्फ्यू का पूरी सख्ती से पालन हो ताकि कोरोना संक्रमण की दर शून्य की जा सके। ग्वालियर जिले को 31 मई तक कोरोना मुक्त जिला बनाने के लिये हमें हर संभव प्रयास करने की जरूरत है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा करते हुए यह बात कही। इस मौके पर कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक अमित सांघी, नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, सीईओ जिला पंचायत किशोर कान्याल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री ने प्रायश्चित के तौर पर श्मशान घाट में की सफाई

मामला-बिना हेलमेट के स्कूटर चलाने का

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर वैसे तो अपने सफाई अभियान को लेकर वे अक्सर ही सुर्खियों में रहते हैं लेकिन इस बार एक बार फिर वे श्मशान घाट की सफाई को लेकर खबरों में हैं। गौरतलब है कि प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रविवार को अपनी पूर्व घोषणा के मुताबिक चार शहर का नाका स्थित श्मशान घाट जाकर वहां साफ सफाई की और अपने समर्थकों के साथ सफाई का अभियान चलाया इस दौरान उनके साथ समर्थकों के अलावा नगर निगम का अमला भी मौजूद रहा बता दें कि, तीन दिन पहले उन्होंने बिना हेलमेट के स्कूटर चलाने को लेकर पहले ढाई सौ रुपए का यातायात पुलिस में चालान कटवाया थी और उसके बाद उन्होंने प्रायश्चित के रूप में श्मशान घाट की सफाई की घोषणा की थी।

एक्सपायर हो चुका है मंत्री का लाइसेंस–ऊर्जा मंत्री प्रधुम्न सिंह तोमर का ड्राइविंग लाइसेंस डेढ़ साल पहले एक्सपायर हो चुका है वो अपना लाइसेंस बनवाने के लिए बुधवार को परिवहन ऑफिस जाएंगे, उन्होने साफ संदेश दिया है कि नेता हो या मंत्री सभी को नियमों का पालन करना चाहिए।

शादी के मंडप से प्रेमी संग भागी दुल्हन

एसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार

ग्वालियर। शादी के सात फेरे लेने से पहले दुल्हन मंडप से भागकर प्रेमी के साथ उसके घर जा पहुंची. जब दुल्हन के घरवालों को पता चला तो वह उसे तलाश करते हुए प्रेमी के घर पहुंच गए, लेकिन दुल्हन और उसका प्रेमी वहां से जा चुके थे,दुल्हन के घरवालों ने प्रेमी के घरवालों को धमकाया,जब दुल्हन और उसके प्रेमी को इस बात की भनक लगी, तो वह एसपी ऑफिस पहुंचे और अपनी सुरक्षा की गुहार लगाई। वहीं,एसपी ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। दरअसल, शहर के देहात हस्तिनापुर इलाके की रहने वाली युवती की शनिवार को शादी थी घर मे शादी की सारी तैयारियां चल रही थी, इधर, युवती का बिजौली थाना क्षेत्र के राधेश्याम से प्रेम प्रसंग चल रहा था, लेकिन लड़की के घरवालों को यह रिश्ता

मंजूर नहीं था। उन्होंने उसकी शादी भी दूसरी जगह तय कर दी,शनिवार को शादी होना थी,घर में मंडप गड़ा हुआ था,लेकिन सात फेरे होने से पहले ही दुल्हन वहां से भाग गई, प्लानिंग के मुताबिक, हाइवे पर उसे प्रेमी राधेश्याम मिल गया. इसके बाद दोनों अपने घर पहुंचे उधर, दुल्हन के परिजनों को पता चला तो उसे तलाश करने में जुट गए वह तलाश करते हुए उसके घरवालों को धमकी देकर आए,प्रेमी को मालूम था कि वह लोग घर आ सकते हैं। इसलिए वहां से भी भाग निकले और एसपी ऑफिस आकर एसपी से सुरक्षा की गुहार लगाई है।प्रेम प्रसंग के चलते राधेश्याम अपनी प्रेमिका को भगा तो लाया, लेकिन काफी डरा हुआ है उसने बताया कि प्रेमिका के घरवाले उसकी और उसके घरवालों की जान के पीछे पड़े हुए हैं अगर वो उसे मिल गया तो उसे मार डालेंगे, लेकिन वह प्रेमिका को जी जान से चाहता है, उसके बिना रह नहीं सकता है। वहीं पुलिस ने दोनों युवक और युवती के परिजनों को सूचित कर काउंसलिंग कराने की बात कही है।

कैंटीन कर्मचारी की पत्नी से पति के दोस्त ने किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। शहर के लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन परिसर में दुष्कर्म की घटना सामने आई है। जानकारी अनुसार गोला का मंदिर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन परिसर के क्वार्टर निवासी 32 साल की महिला ने दुष्कर्म की शिकायत की है। महिला ने शिकायत में बताया कि उसके पति कैंटीन में कर्मचारी है। वह 8 महीने पहले ही पति के पास यहां रहने आई थी। उसके आते ही सामने रहने वाला दूसरे कर्मचारी नितिश कुमार उसके घर आने-जाने लगा। एक दिन जब महिला घर पर अकेली थी, तो आरोपी ने धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। साथ ही धमकी दी कि अगर मुंह खोला तो वह उसे बदनाम करने के साथ ही पति की हत्या करवा देगा। धमकी व बदनामी से घबराई महिला चुप रही, लेकिन इसके बाद आरोपी उसे ब्लैकमेल करने लगा। ब्लैकमेलिंग से तंग आकर महिला ने पति को सारी बात बताई। इसके बाद मामला गोला का मंदिर थाने पहुंचा। पुलिस ने महिला की शिकायत पर आरोपी कर्मचारी के खिलाफ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

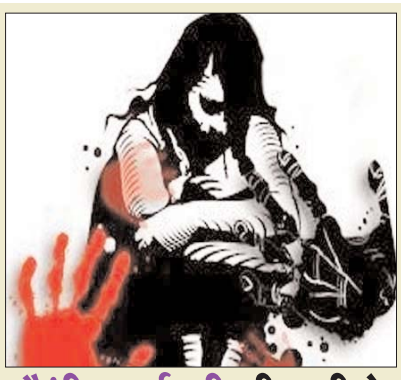

पुलिस ने भिंड का वाहन चोर गिरोह पकड़ 20 गाड़ियां की बरामद

ग्वालियर। महाराजपुरा थाना पुलिस ने शनिवार की रात को चैकिंग के दौरान भिंड जिले के तीन सदस्यीय वाहन चोर गैग को पकड़ा है। पकड़े गए आरोपितों में दो चोरी के वाहनों को ठिकाने लगाने का काम करते थे। पुलिस ने इस गैंग के कब्जे से चोरी की 20 बाइक बरामद की हैं। पुलिस वाहन चोर गैंग से चोरी के और दोपहिया वाहन बरामद करने का प्रयास कर रही है। चोर गैंग का सरगना मोनू उर्फ कुबेर तोमर ने बताया कि वह बार्डर के थाना क्षेत्रों से वाहन चोरी करता था, क्योंकि हाइवे पर चेकिंग नहीं होती और वह पुलिस से बचकर आसानी से वाहन भिंड पहुंचा दिया करता था।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कालोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रॉनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निअर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478